आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 170। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, व भोपाल, रायपुर से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, मंगलवार, 24 जून, 2025

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद किया

जब नक्सलवाद से मुक्ति की विजय गाथा लिखी जाएगी, उसमें सुरक्षा बलों के परिश्रम, त्याग व बलिदान को स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जायेगा

संवाददाता ● रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद किया। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ के महानिदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहाँ उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि सुरक्षा बल के जवान अपने शौर्य और परिश्रम से ही नक्सलियों के साथ मुठभेड़ को सफल बनाते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने जिस शौर्य, धैर्य और समर्पण के साथ माओवादियों के बनाये अड्डों को तहस-नहस किया है, उसने विश्व के सभी सुरक्षा बलों को आश्चर्यचकित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान करता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रही है, जिससे पिछले 35 साल में लगभग 40 हजार लोगों की मौत हुई है या फिर वो अपाहिज होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं ।नक्सलवादी हिंसा ने गरीब आदिवासी तक खाना, बिजली, शिक्षा, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं को नहीं पहुंचने दिया और उद्योग को तो भूल ही जाइए। इतने लंबे वर्षों तक इतना बड़ा क्षेत्र गुलामी के कालखंड में जीने को मजबूर रहा। इसका मूल कारण नक्सलवाद है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुझे आज आनंद है कि आज जिस क्षेत्र से नक्सलवाद खत्म होता है, वहां हमारी सरकार अनाज, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, बिजली, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी पहुंचाकर लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब बच्चा हाथ में बंदूक की जगह पेंसिल पकड़कर क, ख, ग लिखता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र का बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है। यह क्षण जल्द ही आने वाला है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जब 31 मार्च, 2026 को देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, वो क्षण आजादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब नक्सलवाद के खात्मे का इतिहास लिखा जायेगा, उसमे सुरक्षा बलों के जवानों का त्याग, बलिदान और परिश्रम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में 'लियोर ओयना' - नक्सलियों द्वारा आदिवासियों के भीषण संहार और बस्तर को बचाने के प्रयासों पर लिखित पुस्तक का लोकार्पण भी किया। नक्सलियों ने जिन मासूम, निहत्थे लोगों को अपनी हिंसा का शिकार बनाया है, उनकी पीड़ा समझने में यह पुस्तक सहायक होनेवाली है। यह पुस्तक ह्यूमन राईट के नाम पर नक्सलियों से संवेदना दिखाने वालों के आँखों के आगे से पर्दा हटाने और उन्हें एक्सपोज करने में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

शहादत को नमन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से सौजन्य भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शहादत देश के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी शहादत को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। शाह ने शहीद के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया। इस अवसर पर शाह ने शहीद के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

पहलगाम हमला : कश्मीर पुलिस ने इसका स्केच-फोटो जारी नहीं किया था; कल दो मददगार अरेस्ट हुए थे

गिरफ्तार आरोपियों ने एक आतंकी पहचाना

एजेंसी ● श्रीनगर

पहलगाम हमले के तीन आतंकियों में से एक की पहचान हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की गिरफ्त में आए दो आरोपियों ने बताया है कि हमला करने वाले तीन आतंकियों में से एक का नाम सुलेमान शाह है। बाकी दो पाकिस्तानी आतंकियों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है। सुलेमान भी उसी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें वे आतंकी शामिल थे, जिनकी तस्वीर पहलगाम हमले के बाद सामने आई थी। इन आतंकियों में हाशिम मूसा, तल्हा भाई और जुनैद थे। हालांकि जुनैद पिछले साल ही एनकाउंटर में मार दिया गया था। जुनैद के मोबाइल फोन में ही इन आतंकियों के फोटो मिले थे। उस फोटो में सुलेमान शाह की फोटो भी है, जिसे कई पीड़ित परिवारों ने पहचान भी लिया है।

पहलगाम हमले के दो महीने बाद रविवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। NIA की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़े हुए थे। दोनों को सोमवार को जम्मू के कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 5 दिन की NIA रिमांड में भेज दिया गया। NIA के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं। सूत्रों का कहना है कि दोनों को रिमांड पर लेकर NIA टीम हाइड आउट यानी आतंकियों के छिपने वाली जगह जा सकती है। जिससे उनके भागने की रूट मैपिंग भी की जा सके।

आंध्र प्रदेश के पूर्व CM जगन पर FIR

उनकी कार ने रोड शो में एक व्यक्ति को कुचला था

एजेंसी ● हैदराबाद

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हिट एंड रन मामले में FIR दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के SP एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

SP ने बताया कि पूर्व CM की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम चीली सिंघैया है। वह जगन की पार्टी YSRCP के कार्यकर्ता थे। वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई हुई।

यह है मामला : घटना 18 जून की है। जगन पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में पार्टी के एक कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे थे। कार्यकर्ता ने पिछले साल पुलिस प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। जगन मोहन उसी के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। जब काफिला एतुकुरु बाइपास से गुजर रहा था, तब यह हादसा हुआ। SP सतीश कुमार ने 18 जून की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि सिंघैया काफिले पर फूल फेंकते समय गिर गए और गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ियां बिना रुके आगे बढ़ गईं। हाईवे पेट्रोलिंग पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पहले पुलिस ने कहा था कि हादसा जगन की कार से नहीं हुआ। मामले का खुलासा VIDEO से हुआ पुलिस ने 18 जून को दावा किया था कि एक प्राइवेट व्हीकल (AP 26 CE 0001) ने मृतक सिंघैया को कुचला था। यह गाड़ी पूर्व CM के काफिले का हिस्सा नहीं थी, लेकिन VIDEO सामने आने के बाद मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने FIR में अन्य धाराएं बढ़ाईं। SP ने यह भी बताया था कि पूर्व CM के काफिले में सिर्फ तीन गाड़ियों की परमिशन दी गई थी, जबकि उनके काफिले में 30 से ज्यादा वाहन शामिल थे। इस मामले में मृतक की पत्नी की शिकायत पर लापरवाही से मौत की धारा 106 (1) के तहत केस दर्ज किया गया है। FIR में कार ड्राइवर रमन्ना रेड्डी, रेड्डी के PA नागेश्वर रेड्डी, पूर्व सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी, पूर्व विधायक पेरनी नानी और पूर्व मंत्री विदादला रजिनी का भी नाम है।

सांसद चंद्रशेखर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज

लखनऊ। सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज हुई है। आयोग ने पीएचडी स्कॉलर डॉक्टर रोहिणी घावरी की शिकायत पर सोमवार को मामला दर्ज किया। इसके बाद रोहिणी ने कहा, कानूनी लड़ाई शुरू हो चुकी है। सच सामने आकर रहेगा। स्वाभिमान और सम्मान के लिए लड़ूंगी। पीछे नहीं हटूंगी। डॉ. रोहिणी घावरी इंदौर के बीमा अस्पताल में काम करने वाली सफाईकर्मी की बेटी हैं। वह 2019 में हायर एजुकेशन के लिए स्विट्जरलैंड गई थीं। पढ़ाई के दौरान ही वह और चंद्रशेखर एक दूसरे के संपर्क में आए थे और तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे। बाद में रोहिणी ने चंद्रशेखर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

कई नए रूट्स के साथ, न्यूगो ने उत्तर, दक्षिण और मध्य भारत में ग्रीन ट्रैवेल को दी नई रफ्तार

अब देशभर में दौड़ेंगी न्यूगो की इलेक्ट्रिक बसें, हरित यात्रा को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता ● मुंबई

ग्रीनसेल मोबिलिटी के प्रीमियम इलेक्ट्रिक इंटरसिटी बस ब्रांड न्यूगो (NueGo) ने देशभर में अधिक रूट्स पर सेवाएं शुरू करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह विस्तार न्यूगो की हरित और शून्य-उत्सर्जन वाली परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

बढ़ावा

यात्रियों को अब पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में स्मार्ट, आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा विकल्प मिल रहे हैं। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाना है, जिसके तहत देश के कई शहरों और कस्बों को जोड़ने वाले नए रूट्स शुरू किए गए हैं।

300 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की शून्य-उत्सर्जन फ्लीट के ज़रिए न्यूगो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने के अपने मिशन पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रांड का फोकस यात्रियों को सुरक्षित, समय पर और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने पर है। पर्यावरण के प्रति जागरूक और विश्वसनीय यात्रा पसंद करने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए न्यूगो ने कई नए रूट्स लॉन्च किए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण रूट है दिल्ली-लखनऊ, जो देश का सबसे लंबा इलेक्ट्रिक इंटरसिटी रूट है और लगभग 10 घंटे में पूरा किया जाएगा। यह भारत में लॉन्ग डिस्टेंस इलेक्ट्रिक वाहन यात्रा के लिए एक नई मिसाल है।

इसके अलावा कई अन्य नए रूट्स भी शुरू किए गए हैं, जिनमें शामिल हैंः अमृतसर–दिल्ली, बेंगलुरु–दावणगेरे, हरिहर और मदुरै, चेन्नई–मदुरै और सलेम, दिल्ली–बरेली, हल्द्वानी और सिरसा, गुंटूर–विशाखापट्टनम, गुरुग्राम–हल्द्वानी, जयपुर–कोटा, दिल्ली–हिसार, अमृतसर–जम्मू, इंदौर–रतलाम, हैदराबाद–कर्नूल और बेंगलुरु–मैसूर। इन रूट्स के माध्यम से न्यूगो पर्यावरण के अनुकूल, आरामदायक और आधुनिक इंटरसिटी यात्रा को नई दिशा दे रहा है। ग्रीनसेल मोबिलिटी के एमडी और सीईओ श्री देवेंद्र चावला ने कहा, "न्यूगो में हम एक ऐसा नेटवर्क तैयार कर रहे हैं जो जितना टिकाऊ है, उतना ही आरामदायक भी। नए रूट्स के ज़रिए हम और अधिक यात्रियों को एक हरित विकल्प दे रहे हैं, बिना सुरक्षा या गुणवत्ता से समझौता किए। यह सिर्फ विस्तार नहीं है, बल्कि पूरे देश में शून्य-उत्सर्जन इंटरसिटी यात्रा को बढ़ावा देने का आंदोलन है।

शॉट न्यू मुख्य आकर्षण: नए इंटरसिटी रूट्स

- अब न्यूगो की सेवाएं रोज़ाना इन प्रमुख शहरों को जोड़ती हैं
- दिल्ली-लखनऊ (नवाबों का शहर)
- दिल्ली-अमृतसर (स्वर्ण मंदिर का नगर)
- दिल्ली-बरेली (झुमकों की नगरी)
- बेंगलुरु-मदुरै (दक्षिण भारत का मंदिर नगर)
- चेन्नई-सलेम (तमिलनाडु का स्टील सिटी) आदि।
- भारत की पहली इलेक्ट्रिक स्लीपर बसें: न्यूगो बना देश का पहला ब्रांड, जिसने पूरी तरह इलेक्ट्रिक एसी स्लीपर बस सेवा शुरु की।
- अत्याधुनिक फ्लीट: फास्ट-चार्जिंग तकनीक, एक बार चार्ज में 500 किमी से अधिक की रेंज और प्रीमियम सुविधाओं से लैस बसें।
- स्मार्ट यात्रा अनुभव: एआई आधारित बुकिंग सिस्टम, रीयल-टाइम ट्रैकिंग, ऑनबोर्ड वाई-फाई और यात्रियों के लिए कनेक्टेड व सुविधाजनक सफर।

भारत में इंटरसिटी सफर का नया मानक: न्यूगो भारत में इलेक्ट्रिक बसों से लंबी दूरी की यात्रा का चेहरा बदल रहा है। न्यूगो अपने यात्रियों की सुरक्षा और आराम को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यह भारत का पहला ब्रांड है जिसने अपनी पूरी इलेक्ट्रिक बस फ्लीट में एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीक को शामिल किया है। इसके साथ ही, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी न्यूगो ने कई पहल की हैं, जो इसे इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा क्षेत्र में अग्रणी बनाती हैं। यह इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा क्षेत्र में: महिला यात्रियों के लिए 24x7 समर्पित हेल्पलाइन नंबर शुरु करने वाला पहला ब्रांड है, टिकट बुकिंग के समय पिंक सीट फीचर देने वाला पहला प्लेटफॉर्म बना है, यात्रा के दौरान स्वच्छ और हाइजेनिक मिडपॉइंट स्टॉप्स और बसों की व्यवस्था करता है, बसों में सीसीटीवी निगरानी, जीपीएस लाइव ट्रैकिंग, ड्राइवर के ब्रीथ एनालाइज़र टेस्ट, और 80 किमी/घंटा की स्पीड लिमिट जैसे कई एडवांस सुरक्षा फीचर्स शामिल किए गए हैं। बेहतर सफर अनुभव के लिए न्यूगो ने देशभर में 50 से अधिक रणनीतिक मिडपॉइंट्स स्थापित किए हैं। इन स्टॉप्स पर उन्नत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगाया गया है, जिससे बसें यात्रा के दौरान तेजी से चार्ज हो सकें और यात्रियों को किसी भी तरह की देरी या असुविधा न हो। न्यूगो की 100% इलेक्ट्रिक फ्लीट न केवल एक स्मार्ट ट्रैवल विकल्प है, बल्कि यह कार्बन उत्सर्जन कम करने और देश को हरित भविष्य की ओर ले जाने का एक प्रभावी प्रयास भी है।

शॉट न्यूज

क्राइम ब्रांच की त्वरित कार्रवाई में दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आदतन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राजकुमार सब्जी मंडी, एमआर-4 रोड पर बेलेनो कार की घेराबंदी की और तलाशी में 57 ग्राम एमडी ड्रग्स, एक बलेनो कार व दो मोबाइल जब्त किए गए। जब्त नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम इमरान अजमेरी (27 वर्ष) और आरिफ उज्जैनी (35 वर्ष) बताए, दोनों खजराना क्षेत्र के निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अन्य शहरों से सस्ते दामों में एमडी ड्रग्स लाकर इंदौर में सप्लाई करने की योजना बना रहे थे।

शादी में रिश्तेदार ही निकला चोर, 20 लाख के आभूषण किए बरामद

इंदौर। लसूड़िया पुलिस ने एक बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए शादी में शामिल रिश्तेदार को ही गिरफ्तार किया है, जिसने अपनी ही साली और सास के बैग से 20 लाख रुपये के सोने व हीरे के आभूषण चोरी किए थे। आरोपी वरुण शुक्ला (40) निवासी जबलपुर, इतना शातिर निकला कि चोरी के बाद खुद ही थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराने का दबाव बनाने लगा ताकि शक उस पर न जाए। घटना 19 जून को निपानिया स्थित होटल एस में घटी, जब शादी समारोह के बाद महिला मेहमानों के पर्स से कीमती आभूषण और नकदी चोरी हो गई। फरियादी प्रियंका तिवारी की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज व पूछताछ के आधार पर आरोपी को चिह्नित किया। वरुण ने जुर्म कबूलते हुए बताया कि उसने आभूषण अपने मित्र के घर छिपाए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया।

सास का शव बाथरुम में मिला, परिजनों ने बहू पर लगाया हत्या का आरोप

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में एक महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी बहू को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। महिला का शव बाथरुम में मिला था। परिजनों ने आरोप लगाया कि बहू ने सास की गला घोट कर हत्या कर दी। घटना श्रीराम नगर मे रहने वाले चौधरी परिवार की है। सुबह गोमती चौधरी का शव बाथरुम में मिला। उसके गले पर निशान थे। परिजनों को गोमती की मौत पर शंका हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अफसरों को परिजनों ने कहा कि सास गोमती का बहू नेहा से अक्सर विवाद होता है। दो दिन से दोनों के बीच झगड़े चल रहे थे। शनिवार को नेहा छत पर आत्महत्या करने भी गई थी। इसकी जानकारी नेहा के परिजनों को भी दी गई थी। उनसे कहा गया था कि वे नेहा को थोड़े दिन के लिए ले जाए।

एमसीयू देश के टॉप टेन संस्थानों में हुआ सुमार इंडिया टुडे एवं द वीक की सूची में बनाई जगह

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने बताया बड़ी उपलब्धि

संवाददाता ● भोपाल

एशिया के पहले एवं भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय ने एक बार फिर देश के टॉप टेन संस्थानों में अपनी जगह बनाई है। देश की प्रसिद्ध मीडिया मैनजीन इंडिया टुडे एवं द वीक ने अपने सर्वे में एमसीयू को यह स्थान दिया है। जून के अपने ताजा अंक में इंडिया टुडे-मुद्रा सर्वे ने बेस्ट कॉलेज ऑफ इंडिया 2025 की रैंकिंग में एमसीयू को टॉप टेन में शामिल किया है।

शामिल

आपको बता दें विगत वर्ष भी विश्वविद्यालय टॉप टेन की सूची में रह चुका है। इसके अलावा एमसीयू ने बेस्ट कॉलेजेस ऑफ इंडियाज 2025 में छटवा स्थान प्राप्त किया है। वहीं टॉप टेन कॉलेजेस विथ बेस्ट वैल्यू फॉर मनी कैटेगरी में देश में चौथा स्थान हासिल किया है। देश की दूसरी प्रसिद्ध मीडिया मैगजीन द वीक-हंसा रिसर्च सर्वे 2025 में इंडियाज बेस्ट कॉलेजेस की श्रेणी में एमसीयू को टॉप टेन में शामिल किया गया है। खास बात ये है कि सर्वे में सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालय दोनों शामिल थे। इन दोनों ही सर्वे की सभी कैटेगरी में एमसीयू मध्यप्रदेश का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है जो सरकारी एवं निजी दोनों ही संस्थानों में टॉप पर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने एमसीयू के शिक्षकों,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को इसका श्रेय देते हुए सभी को बधाई दी। तिवारी ने कहा कि देश के टॉप टेन बड़े संस्थानों में सुमार होना बड़ी बात होती है। उन्होंने कहा कि 'विश्वविद्यालय की 35 वर्ष की यात्रा में यह एक शानदार टीम वर्क का सुखद परिणाम है। यह हमें और आगे जाने की प्रेरणा देगा। बेहतर गुणवत्ता आखिरकार हमारे विद्यार्थियों को दक्ष बनाने में मददगार सिद्ध होगी।' उन्होंने कहा आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय में और भी कई नवाचार देखने को मिलेंगे। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि से सभी शिक्षकों,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में हर्ष का माहौल है।

भाजपा जिला इंदौर के सेमिनार में मध्य प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह करेंगे संबोधित

इंदौर। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कॉंग्रेस सरकार ने 25 जून 1975 को रातोंरात देश पर आपातकाल थोप दिया था। उस आपातकाल के काले अध्याय के 25 जून 2025 को 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला इंदौर द्वारा 24 जून को सुबह 11 बजे प्रेमराज गार्डन, नैनोद में सेमिनार 'आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष' आयोजित किया जा रहा है। इस सेमिनार को भाजपा के मध्य प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह संबोधित करेंगे। इस संबंध में भाजपा जिला की कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई।

आपातकाल के काले अध्याय का 50 वां वर्ष

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा और कार्यक्रम संयोजक अंतर दयाल ने बताया कि सेमिनार में इंदौर जिले के सभी 16 मंडलों से लोकतंत्र सेनानी और उनके परिजनों को आमंत्रित किया है। सेमिनार में आपातकाल के 21 माह की विभीषिका पर लोकतंत्र सेनानी अपनी बात रखेंगे। कार्यक्रम में आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा करने वाले लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजन का सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में कैलाश चौधरी, सत्यनारायण आजाद, घनश्याम नारोलिया, रामस्वरुप गहलोत, रामविलास पटेल, मुकेश चौहान, सुभाष पाटीदार, सुनील गहलोद, रूपसिंह चौहान, लक्ष्मीनारायण रावलिया, हेमलता डागर, नीतू जैन, राजू जाट, देवकरण दरबार, डॉ विश्वनाथ रावल सहित अन्य मौजूद रहे।

ईवी कंपनी सुपरटेक ईवी की पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक की धनराशि जुटाने की योजना

आईपीओ 25 जून 2025 को खुलेगा

संवाददाता ● भोपाल

आईपीओ को सब्सक्रीप्शन के लिए खुलेगा और 27 जून, 2025 को बंद होगा, आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर है, रु. 92 प्रति शेयर के अपर प्राइज बैंड पर आवश्यक न्यूनतम निवेश रु. 1,10,400 है इस इश्यू के माध्यम से जुटाई गए फंड्स का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, कंपनी ने लिए हुए कुछ उधारों के कुछ हिस्से का पुनर्भुगतान करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 12 मॉडल शामिल हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक टु-व्हीलर्स के 8 वेरिएंट और ई-रिक्शा के 4 वेरिएंट शामिल हैं।

योजना

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी ने रु. 75.19 करोड का राजस्व और रु. 6.19 करोड का शुद्ध लाभ दर्ज किया। 31 मार्च 2025 तक हैल्धी रिटर्न रेशियो - ROE/RONW 36.66%, ROCE 47.95% कॉर्पोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

हरियाणा : भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में अग्रणी कंपनीओं में से एक और इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स (E2W) और इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर्स (E3W) पर ध्यान रख रही सुपरटेक ईवी लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 25 जून, 2025 को सब्सक्रीप्शन के लिए खुलेगा और 27 जून, 2025 को बंद होगा। कॉर्पोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

रु. 29.90 करोड का आईपीओ पूरी तरह से रु. 10 के अंकित मूल्य के 32,49,600 इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इश्यू के लिए प्राइज बैंड रु. 87 - 92 प्रति शेयर है। इश्यू से प्राप्त राशि में से कंपनी रु. 16.50 करोड कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए, रु. 3 करोड कंपनीने लिए हुए कुछ उधारों के कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान के लिए और शेष सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और इश्यू से संबंधित खर्चों के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है। आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर है, यानि की रु. 92 प्रति शेयर के अपर प्राइज बैंड पर रु. 1,10,400 का न्यूनतम निवेश करना होगा। इश्यू के लिए रिटेल कोटा 47.51%, एनआईआई 47.47%, क्यूआईबी 5.02% और मार्केट मेकर 5.02% है।

2022 में स्थापित सुपरटेक ईवी लिमिटेड भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) मार्केट में अग्रणी कंपनियों में से एक है। कंपनी भारतीय उपभोक्ताओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाले इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स, कचरा निपटान वैन और लोडर की एक विस्तृत रैंज पेश करती है। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 12 मॉडल शामिल हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स के 8 वेरिएंट और ई-रिक्शा के 4 वेरिएंट शामिल हैं। कंपनी ने 445 डिस्ट्रीब्यूटर्स का डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बनाया है और भारत के 19 राज्यों में इसकी उपस्थिति है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश आदि शामिल हैं। कंपनी ने हाल ही में वित्त वर्ष 2025-26 में बाजार में कार्गो मैक्स, पैसेंजर मैक्स और जैपस्टर प्रो सहित प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री में उल्लेखनीय उछाल देखने को मिल रहा है, जो बढ़ती सब्सिडी और नए लॉन्च के कारण टिकाऊ गतिशीलता की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत है। वित्त वर्ष 2024 में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स की हिस्सेदारी 5% थी।

6 मई को जारी हुआ रिजल्ट, अब मार्कशीट के लिए संघर्ष

10वीं-12वीं की मार्कशीट के लिए चक्कर लगा रहे छात्र

संवाददाता ● इंदौर

एमपी बोर्ड की परीक्षाओं के रिजल्ट को जारी हुए डेढ़ महीने से अधिक हो चुका है। हालांकि बोर्ड ने अभी तक 10वीं और 12वीं की मार्कशीटें जारी नहीं की है। छात्र लगातार बोर्ड ऑफिस से संपर्क कर रहे हैं लेकिन यह नहीं बताया जा रहा है कि मार्कशीट कब तक जारी होगी। कई छात्र बोर्ड ऑफिस के चक्कर लगाते हुए भी देखे जा सकते हैं। जानकारी अनुसार एमपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं का रिजल्ट 6 मई को जारी किया है। बोर्ड ऑफिस के अधिकारियों के अनुसार अंकसूची आने में अभी एक पखवाड़ा और लग सकता है। जिले में करीब 85 हजार छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा दी थी। फरवरी-मार्च में हुई परीक्षा के बाद मूल्यांकन कार्य शुरू किया गया था और 6 मई को बोर्ड ने रिजल्ट घोषित किया था । जून माह के भी 18 दिन बीतने के बाद भी अंकसूची नहीं आई है जिससे छात्रों को कॉलेज में प्रवेश लेने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन भरने में परेशानी आ रही है। कई छात्र मंडल के कार्यालय पहुंच रहे हैं मगर उन्हें यह नहीं बताया जा रहा है कि कितने दिन में अंकसूची आएगी।इधर पहली बार मंडल ने दूसरी मुख्य परीक्षा भी लेना शुरू किया है। 17 जून से शुरू हुई इस परीक्षा में हजारों छात्र ऐसे शामिल हुए जो पहली परीक्षा में फेल हो गए थे। इस परीक्षा से फेल छात्रों में निराशा की भावना कम हुई है।

घटिया डामर पेंचवर्क पहली बारिश में ही उखड़ा...

संवाददाता ● इंदौर

शहर में सड़कों को किया गया मेंटेनेंस पहली बारिश में ही उखड़ गया है। इस संबंध में पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने बताया कि नगर निगम प्रतिवर्ष बारिश के पूर्व और बारिश के बाद शहर की सड़कों का डामर पेंचवर्क करता है। इस वर्ष शहर में डामर पेंचवर्क कार्य के लिए मार्च में मंजूरी दी गई। इसमें ही लगभग 5 करोड़ रूपये का भुगतान भी ठेकेदारों को किया गया है। नगर निगम द्वारा मार्च से अभी तक शहर कि प्रमुख सड़के साकेत नगर, श्रीनगर, भंवरकुआं, गुमास्ता नगर, उषा नगर, खजराना, तीन ईमली चौराहा, चम्पाबाग, बड़ा बांगड़डा, चिकित्सक नगर, जवाहर मार्ग, बम्बई बाजार अहिल्यापुरा सैफी नगर, माणिकबाग रोड, आजाद नगर, हवा बंगला, एलआईजी, जयरामपुर कालोनी रोड, सिरपुर मेन रोड आदि स्थानों के लिए भुगतान किया गया है, परन्तु उक्त सड़कों पर किया गया। पेंचवर्क एक ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके अतिरिक्त मधुमिलन चौराहे से छावनी तक की सड़क पर किया गया पेंचवर्क बेहद घटिया होने से मात्र 5 दिनों में ही उखड़ गया और सड़कों के वापस गड्ढे वापस हो गए हैं। इसके कारण शहर के नागरिक बेहद परेशान हैं वहीं समयसीमा में किए जाने वाला मधुमिलन चौराहे का काम भी बेहद धीमी गति से किए जाने से भी मार्ग से आवागमन करने वाले शहर के हजारों को नागरिकों को बेहद परेशानी होती है। मधुमिलन चौराहा नगर निगम के लिए एक प्रयोगशाला बन गया है, जिसे निर्माण के दौरान कई बार खोदा और बनाया गया है, जो कार्य की क्वालिटी तथा गुणवत्ता घटिया होना दर्शाता है।

भारतीय रेल को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम: जीआरपी प्रमुखों का छठा अखिल भारतीय सम्मेलन संपन्न

यात्री शिकायतों के समाधान के लिए एकजुट हुए रेलवे के पुलिस अधिकारी

संवाददाता ● भोपाल

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के समन्वय में रेल मंत्रालय के साथ राजकीय रेलवे पुलिस प्रमुखों का 6वां अखिल भारतीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम यात्री सुरक्षा, अपराध कम करने की रणनीतियों और बेहतर रेलवे सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जनशक्ति आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा बलों का नेतृत्व करने वालों को एक मंच पर लाया।

सुरक्षा

सुरक्षा ढांचे का आधुनिकीकरण - सम्मेलन की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के उद्बोधन के साथ हुई, जिन्होंने यात्री शिकायतों और मामलों के दर्ज करने पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जीआरपी और आरपीएफ के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन आहट और मेरी सहेली जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। अपने स्वागत भाषण में, डीजी आरपीएफ श्री मनोज यादव ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए, विशेष रूप से बढ़ते यात्री अपराधों को संभालने में सुरक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

रेलवे पुलिसिंग को नया स्वरूप देते नए आपराधिक कानून - चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रेल मदद पोर्टल पर दर्ज यात्री शिकायतों और वास्तविक रूप से दर्ज किए जा रहे मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। जिसमें रेलवे में होने वाले बड़े अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। नए आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन एक प्रमुख केंद्र बिंदु था, जिसमें जीरो एफआईआर के कुशल प्रबंधन और राज्यों में तेजी से अपराध रिपोर्टिंग, सुव्यवस्थित साक्ष्य प्रबंधन और प्रभावी जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए ई-एफआईआर सिस्टम के एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

जीआरपी कार्यबल और ढांचा

एक अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र रेलवे के विभिन्न ढांचे और मैनपॉवर से संबंधित मामलों पर चर्चा थी। प्रतिभागियों ने जीआरपी के मैनपॉवर और ढांचागत आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए एक समान बेंचमार्क बनाने का पता लगाया, जिसमें विविध भौगोलिक स्थितियों और रेलवे संचालन की जटिलताओं को ध्यान में रखा गया। एक समयबद्ध तरीके से इन बेंचमार्क को निर्धारित करने के लिए एक समिति नामित की गई है। इस सत्र में भारत के व्यापक रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए एक संरचित, स्केलेबल ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया गया। अपने समापन भाषण में, डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा कि "इस सम्मेलन ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि की है। मैनपॉवर की चुनौतियों का समाधान करके, हमारी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करके और हमारी अपराध प्रतिक्रिया तंत्र में सुधार करके, हम लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। इस यात्रा में राज्यों के जीआरपी की भूमिका और भारतीय रेलवे के साथ उनकी साझेदारी महत्वपूर्ण है और हमें मिलकर रेलवे सुरक्षा के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करते रहना चाहिए।" सम्मेलन एक भविष्य के लिए दृष्टिगत विचार के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने कार्रवाई योग्य समाधानों पर सहमति व्यक्त की, जिसमें उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना, हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और यात्री सुरक्षा पर सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता के रुप में एक मजबूत ध्यान शामिल है।

लोकार्पण पर बोले मंत्री सिलावट, सांवेर क्षेत्र को मिली 71.57 लाख की सौगात

रतनतलाई तालाब का पुनर्जीवन सिंचाई, पर्यावरण संतुलन

पर्यटन के लिए उपयोगी

संवाददाता ● इंदौर

जल संरक्षण और पर्यावरणीय पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र स्थित रतनतलाई तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इस तालाब का कायाकल्प किया गया है। इस अवसर पर मंत्री सिलावट ने कहा कि रतनतलाई तालाब का पुनर्जीवन जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा, पर्यावरण संतुलन और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। रतनतलाई तालाब का निर्माण वर्ष 1972 में जल संसाधन विभाग द्वारा किया गया था। वर्षों से अनुपयोगी हो चुके इस तालाब की जलग्रहण क्षमता 0.24 मिलियन घनमीटर और सिंचाई क्षमता 40 हेक्टेयर है। इस पारंपरिक जलस्त्रोत को पुनर्जीवित करने के लिए वर्ष 2023 में 40.30 लाख रुपए की लागत से मरम्मत कार्य शुरू किए गए थे, जिसमें पाल पर मिट्टी भराव, स्लूस गेट और वेस्ट वियर निर्माण और लगभग 400 मीटर पिचिंग कार्य किए गए। इसके उपरांत वर्ष 2024 में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मांग पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 71.57 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई, जिससे तालाब की 1100 मीटर अपस्ट्रीम साइड पिचिंग, एक हजार मीटर में पेवर ब्लॉक बिछाने, पाल पर वृक्षारोपण और सीमेंट-कांक्रीट की सीढ़ियों का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य हुए है। इस मौके पर मंत्री सिलावट ने कहा कि इस तालाब में पूरे वर्ष भर अपनी क्षमता के अनुसार पानी भरा रहेगा। इसके लिए उन्होंने नर्मदा शिप्रा लिंक परियोजना से पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि यह तालाब नगर परिषद सांवेर को हस्तांतरित किया किया जाएगा, जिससे कि इसका संधारण समुचित रूप से हो सकेगा और नगर परिषद इसे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करेगी।

विकास

मंत्री सिलावट ने इस मौके पर उपस्थित जनसमुदाय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' को अपनाने की अपील करते हुए प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम पर लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह भावनात्मक रूप से भी एक प्रेरक पहल है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों दोनों को सुदृढ़ किया जा सकता है। सिलावट ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण कर जल संकट से निपटना है। रतनतलाई तालाब के कायाकल्प से क्षेत्र की सिंचाई सुविधा में विस्तार होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा और स्थानीय नागरिकों को एक सुंदर प्राकृतिक स्थल भी प्राप्त होगा। उन्होंने इसे सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में हरियाली, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। तालाब के आसपास आने वाले समय में प्रमुख पर्यटन केंद्र और जल जागरूकता केंद्र के रूप में विकसित करने की भी योजना है।

शॉट न्यूज

अमानक प्लास्टिक पर किया स्पॉट फाइन

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार शहर को स्वच्छ, हरित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अमानक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग के उपयोग, संग्रहण एवं विक्रय पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में झोन क्रमांक 12 के अंतर्गत न्यू लोहा मंडी क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान कृष्णा रोड लाइंस, न्यू लोहा मंडी से अमानक प्लास्टिक कैरी बैग के कुल 11 कट्टे जब्त किए गए। उक्त प्रकरण में तत्काल प्रभाव से 35 हजार का स्पॉट फाइन अधिरोपित किया गया। इसी अभियान के दौरान अजीत पाहुजा, न्यू लोहा मंडी के स्वामित्व वाले एक वाहन से लगभग 1 टन अमानक प्लास्टिक कैरी बैग जब्त किए गए। इस गंभीर उल्लंघन पर नगर निगम टीम द्वारा 1 लाख रुपए का स्पॉट फाइन अधिरोपित किया गया।

ड्रेनेज लाइन के लिए किया भूमिपूजन

इंदौर। वार्ड क्रमांक 37 के न्याय नगर एक्स्टेंशन में वर्षों से चली आ रही ड्रेनेज की समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। क्षेत्र में ड्रेनेज लाइन बिछाने के कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र हार्डिया, पार्षद संगीता महेश जोशी, एवं बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे। न्याय नगर एक्स्टेंशन के नागरिक लंबे समय से जलभराव एवं गंदगी जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। बारिश के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी, जिससे आम जनजीवन प्रभावित होता था। क्षेत्रवासियों की इस लंबे समय से लंबित मांग को देखते हुए पार्षद संगीता महेश जोशी ने नगर निगम प्रशासन से सतत संपर्क कर इस परियोजना को स्वीकृति दिलवाई। रविवार को आयोजित भूमि पूजन समारोह में विधायक महेन्द्र हार्डिया ने कहा, "हमारा प्रयास है कि वार्ड क्रमांक 37 के प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए।

ठेकेदार भी है निगम की टीम का हिस्सा : निगमायुक्त

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा स्मार्ट सिटी ऑफिस में निगम ठेकेदार यूनियन के सदस्यों के साथ निगम से संबंधित कार्यो के संबंध में बैठक ली गई। उक्त बैठक में अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, रोहित सिसोनिया, अभय राजनगांवकर, देवधर दरवई, मनोज पाठक, नरेंद्रनाथ पांडे और अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री, जनकार्य, डेनेज, जलप्रदाय एवं बड़ी संख्या में ठेकेदार यूनियन के सदस्य उपस्थित थे। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने निगम ठेकेदार यूनियन के साथ बैठक में सर्वप्रथम कहा कि आप सभी के सहयोग से इंदौर स्वच्छता के साथ ही विकास कार्यों में भी अग्रणी रहा है, अपने निगम को परिवार समझकर शहर विकास में काम किया है, वर्तमान में निगम की स्थिति को देखते हुए आप सभी ने जो सहयोग बनाया है उसके लिए आप सभी का धन्यवाद के पात्र है।

शांतिकुंज हरिद्वार की किताबों को पढ़ने से मिलता है ज्ञान और आनंद : सत्यनारायण पटेल

इंदौर। शांतिकुंज हरिद्वार की पुस्तकों को पढ़ने से ज्ञान प्राप्त होता है और मन की शुद्धि सदैव रहती है। पं. शर्मा द्वारा सनातन धर्म को बढ़ाने में एवं ज्ञान की पुस्तकों का आचार-विचार के माध्यम से हम सब धर्म की ओर बढ़ते है। गायत्री शक्तिपीठ, कनाड़िया की ओर से पुस्तक मेले का जो भव्य आयोजन किया गया है, इसमें आकर मैं धन्य हो गया हूं, यहां पर धार्मिक पुस्तकों को पाकर मैं और स्कूली बच्चों में पुस्तकें देखी और खरीदी। इस अवसर पर गायत्री परिवार के परिजन एवं युवा साथियों ने भाग लेकर इस पुस्तक मेले की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर विशेष रुप से समाजसेवी मदन परमालिया, त्रिलोकसिंह सोलंकी, पं. शंकरलाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर महापौर ने किया माल्यार्पण

इंदौर। महान राष्ट्रवादी विचारक, प्रखर शिक्षाविद् और जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आज नगर निगम इंदौर द्वारा विजयनगर चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत माता के ऐसे सपूत थे जिन्होंने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनके विचार आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।'कार्यक्रम में विशेष रूप से विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, नंदकिशोर पहाड़ियां, अभिषेक शर्मा, नगर निगम सचेतक कमल वाघेला, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नीमा एवं सुदर्शन गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पार्षद बालमुकुंद सोनी, सुरेश कुरवाडे, पूजा पाटीदार, मुद्रा शास्त्री, पूर्व पार्षद दीपक जैन 'टीनू' सहित नगर निगम के अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक और अन्य मौजूद रहे।

भगवती पराम्बा महालक्ष्मी का महाभिषेक स्वर्ण मंगलगिरी पर निकली माता पराम्बा

संवाददाता ● इंदौर

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग में चल रहे श्री ब्रह्मोत्सव और रथयात्रा महोत्सव के चलते आज दिवितीय दिवस के उत्सव के अवसर पर भगवती श्रीमहालक्ष्मी जी का रजत कलशों की सहस्त्रधारा से महाभिषेक किया गया।इन रजत कलशों को श्रृंगार कर उन में दूध, दही, घी, शकर, शहद, इत्र, आम रस व नदियों का जल भरा गया था। इन सुंदर कलशों की सहस्त्रधारा से भगवती महालक्ष्मी जी का तिरूमंजन नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामीजी श्रीविष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज ने किया। ओम शर्मा, लखन तिवारी यजमान परिवार द्वारा कलशों का पूजन किया गया। देवस्थान के अर्चक बिहारीलाल नंदलाल के साथ ही दक्षिण से पधारे भट्टर स्वामीजी के द्वारा भगवती का अदभुत श्रृंगार किया गया।

भगवती श्रीश्री देवी व श्री भु देवी की सवारी मंगल गिरि पर दक्षिण वाद्य यंत्रो के।साथ उत्सव मंड़प पहुची जिसमे आगे आगे सभी यजमान परिवार रजत तुलसी, स्वर्ण पुष्प व अन्य सामग्री हाथों में लिए चल रहे थे। नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामीजी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज के साथ ही उज्जैन युवराज स्वामीजी श्रीमाधवप्रपन्नचार्य महाराज हरिद्वार से श्री दामोदर चार्य जी द्वारा भगवती श्री महालक्ष्मी की 108 रजत तुलसी,108 रजत कमल, 108 स्वर्ण पुष्प, जूही, मोगरा, रजत कमल, केशर, काजू, बादाम, अंजीर, किशमिश, हापुस आम के साथ ही अनेक सूगन्धित पदार्थो द्वारा 1008 नामो से अर्चना की गई उधर सभी वैष्णव भक्त उत्सव मंडप में सभी भक्त जोड़े से बैठकर श्री श्रियै नमः का मंत्र बोलते हुए अपने सामने रखे चित्र पट पर कुमकुम से अर्चना कर रहे थे। पंकज तोतला ने बताया मनोहर शास्त्री, मुकेश शाष्त्री ने कुमकुम अर्चना में बैठे 500 जोड़े व सभी भक्तों को हाथ मे जल पुष्प अक्षत लेकर उनके आरोग्य,ऐश्वर्य,लक्ष्मी प्राप्ति,आयु निरोग की कामना के लिए संकल्प कराकर फिर भगवती महालक्ष्मी जी की अर्चना प्रारम्भ कराई जिसमे 1008 नामो से भगवदजनों ने भगवती की कुमकुम अर्चना कराई। श्रद्धालुओं ने एक साथ अर्चना पश्चात भोग लगाकर आरती की और कुमकुम साथ दिया गया।

मास्टर प्लान की रोड के लिए तैयारी

वर्षों पुराने मकान और अन्य बाधाएं हटाना नगर निगम के लिए बड़ी चुनौती

संवाददाता ● इंदौर

मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर निगम ने तैयारी कर ली है। इसी के तहत पश्चिम क्षेत्र के इंदौर वायर फैक्ट्री चौराहे से सुभाष स्कूल तक नगर निगम आने वाले दिनों में सौ फीट चौड़ी सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है। इसके लिए नपती और निशान लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। सबसे ज्यादा बाधाएं वर्षों पुराने क्षेत्र कंडिलपुरा में है। इस सड़क पर एक छोटा पुल भी है, जिसे तोड़कर 100 फीट चौड़ा बनाया जाएगा। इस पूरे सड़क निर्माण पर 10 करोड़ से अधिक की राशि खर्च होगी और यह सड़क सुभाष मार्ग की 100 फीट चौड़ी सड़क से मिलेगी।

कार्रवाई

जानकारी अनुसार मास्टर प्लान की सड़कों के लिए नगर निगम ने पिछले सप्ताह ही किला मैदान लक्ष्मीबाई प्रतिमा से लेकर जिंसी चौराहे तक 80 फीट चौड़ी सड़क के लिए नपती और निशान लगाने की कार्रवाई की। वहां भी 100 से ज्यादा मकान, दुकानों की बाधाएं चिह्नित की गई है। इस सड़क में भी एक पुल है, जिसे तोड़कर नया बनाया जाएगा। 23 सड़कों के काम शुरू कराने के लिए पिछले दिनों ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। अब सड़कों की नपती और निशान लगाने के काम शुरू किए गए हैं, ताकि बाधाएं चिह्नित कर रहवासियों को बाधाएं हटाने का समय दिया जा सके। अब नगर निगम की टीमों द्वारा इंदौर वायर फैक्ट्री चौराहे से कंडिलपुरा होते हुए सुभाष स्कूल तक 100 फीट चौड़ी सड़क बनाने के लिए नपती का काम शुरू किया

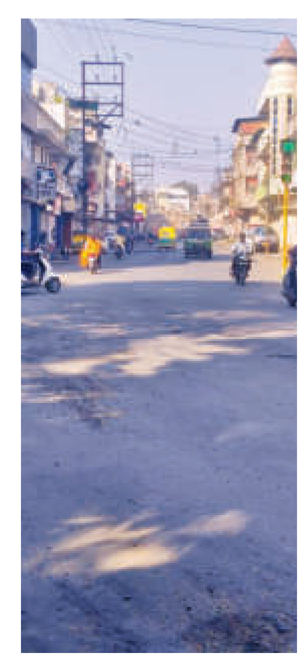

गया है। अधिकारियों के मुताबिक 12 करोड़ की लागत से यह सड़क बनाई जाएगी और इसके भी बीच में एक पुल है, जो 100 फीट चौड़ाई के मान से नया बनाया जाएगा, ताकि यातायात की दिक्कत भविष्य मे नहीं आए। प्रारंभिक तौर पर सर्वे और निशान लगाने की कार्रवाई में कंडिलपुरा क्षेत्र में सर्वाधिक बाधाएं हैं और इनमें कई वर्षों मकान, दुकान शामिल है। यह सड़क सुभाष मार्ग की 100 फीट चौड़ाई की प्रस्तावित सड़क से जाकर मिलेगी और अब तक उक्त मार्ग की कई गलियों में यातायात जाम होता रहता है, जिससे वाहन चालकों को निजात मिलेगी। हालांकि अभी सुभाष मार्ग सड़क का निर्माण कार्य ही झमेले में पड़ा है, क्योंकि निगम ने पहले चरण में सड़क 80 फीट चौड़ी बनाने की बात कहते हुए रहवासियों से बाधाएं हटाने को कहा था, मगर उसके बावजूद पूरे मार्ग पर कहीं भी लोगों ने बाधाएं नहीं हटाईं।

वरिष्ठ अधिकारियों में हो रही चर्चा, जल्द ही हो सकती है प्रक्रिया पूर्ण

मेघदूत गार्डन को भी किराए पर देने की तैयारी में निगम

संवाददाता ● इंदौर

शहर को हरा भरा और उद्यान सिटी बनाने का सब्जबाग दिखाने वाली नगर निगम के लिए उद्यान सफेद हाथी बन चुके हैं। शायद यही कारण है कि नगर निगम अब मेघदूत गार्डन को भी प्राइवेट कंपनी को किराए पर देने की तैयारी कर रहा है। इसके पहले पिपल्या पाल स्थित रीजनल पार्क को प्राइवेट कंपनी को सौंपने की तैयारी लगभग हो चुकी है। जानकारी अनुसार नगर निगम इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में उसके लिए विकास कार्य करना ही एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है तो भला शहर के 500 से भी अधिक गार्डन की देखभाल करना तो बड़ी टेढ़ी खीर है। ऐसे में नगर निगम ऐसे गार्डन को निजी कंपनियों को सौंपने पर विचार कर रहा है इसे नगर निगम को राजस्व की प्राप्ति हो सके। इसके लिए पहले ही मीटिंग में तय हुआ है कि मेघदूत जैसे बड़े उद्यान को भी किसी प्राइवेट कंपनी के हाथों में दे दिया जाए और सालाना नगर निगम एक निश्चित राशि जमा कर सकता है। इसके लिए तैयारियां सतत की जा रही हैं और इसी कड़ी में यह सब किया जा रहा है, जिसमें जल्द ही सारे नियम कायदे बनाकर मेघदूत उपवन को निजी हाथों में सौंपने के लिए टेंडर जारी किया जा सकता है। निगम की मंशा है कि यह बड़े उद्यानों को लेकर। रखरखाव निगम के बस में नहीं है। यहां पर सालाना करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन रखरखाव बराबर नहीं हो पाता है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो कोई भी निजी कंपनी इसे आसानी से न केवल चला सकती है बल्कि सालाना अच्छी खासी राशि निगम को भी मिल सकती है।

प्रक्रिया

चर्चाओं और विचार विमर्श का दौर जारी

निगम अधिकारी पिपल्यापाला स्थित रीजनल पार्क को किराए पर देना एक बड़ा उदाहरण बता रहे हैं। यह भी बता रहे हैं कि पिपल्यापाला रीजनल पार्क के रुप में भी दिया जा सकता है जहां पर अभी हाल ही में ऑरेंज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने पिपल्यापाला रीजनल पार्क को लीज पर लिया है। इसी तर्ज पर अब मेघदूत उपवन को भी देने की तैयारी है। मामले में नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि कोशिश की जा रही है बातचीत बनी तो शीघ्र ही मेघदूत गार्डन को भी निजी हाथों में सौंप दिया जाएगा। उसके बाद संपूर्ण देखभाल मेंटेनेंस का कार्य निजी एजेंसी को ही करना होगा। इसके बदले में निगम को एक निश्चित धनराशि भी उसे अदा करना होगी।

एक बूंद जीवन की आशा चलिए बनें किसी की जिंदगी वजह

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आंचलिक कार्यालय वायएन रोड में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। इस शिविर स्थल एसबीआई आंचलिक कार्यालय इंदौर में रक्तदान शिविर संयोजक बिजय कुमार सामल उपमहाप्रबंधक इंदौर अंचल और निधि खरे मुख्य प्रबंधक मानव संसाधन आंचलिक कार्यालय इंदौर अंचल द्वारा रक्तदाता महानुभाव को सम्मानित किया गया। पंकज वर्मा, विजय रघुवंशी, एल्विन लारेंस, विपिन गोयल, कृष्णा खत्री और बैंक स्टाफ के अन्य बहुत से सदस्यों ने रक्तदान कर बैंक के 70 वें स्थापना दिवस के अवसर पर इस महान रक्तदान आयोजन को सफल बनाया।

इस बारिश कर्मचारी रेन डांस से बचें

इस रविवार नासिक जाते वक्त जब मैं समुद्र तल से 3000 फीट ऊंचाई पर स्थित इगतपुरी से गुजर रहा था तो बादल कार की खिड़की से भीतर आ रहे थे और मुझसे कह रहे थे कि कार से बाहर आओ, एक डांस हो जाए। मैं देख रहा था कि उस छोटे-से हिल स्टेशन पर उससे भी अधिक ज्यादा कारें थीं, जितनी मुम्बई से आते वक्त पूरे 110 किमी के रास्ते में देखी थीं। सभी बादलों का आनंद ले रहे थे। इसी सप्ताह डिप्टी कमिश्नर ने भी कहा कि वहां रोज 15 हजार कारें पहुंची, जबकि शिमला में महज 5000 कारों की पार्किंग है।

ये बताता है कि कामकाजी वर्ग नियमित तौर पर ब्रेक लेना चाहता है, खासकर बारिश में, ताकि रिमझिम के बीच डांस कर सके। पर मौसम विभाग की चेतावनी ने मुझे कुछ भी ऐसा करने से रोका, क्योंकि उसने अगले सप्ताह में कई राज्यों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। 23 जून को मप्र के कुछ इलाकों में 24 घंटों में 200 मिमी. से अधिक बारिश का अनुमान है। इसी के साथ कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भी 27 जून तक भारी से अतिभारी बारिश संभावित है। चूंकि मुझे उसी शाम मुम्बई वापस आना था, इसलिए मैं बादलों को फ्लाइंग किस देते हुए गुजर गया। कई नए व पुराने सहकर्मी वीकेंड रेन डांस की फोटो पोस्ट कर रहे थे, जिन्हें देखकर मुझे ईर्ष्या होने लगी।

चूंकि, कामकाजी वर्ग वीकेंड पर वहां से दूर था, इसलिए ये नहीं देख पाया कि उनके ऑफिस में कॉर्नर ऑफिस की लाइटें जली थीं। वहां टॉप लीडर्स मिले और इस पर सहमत हुए कि कम कर्मचारी का मतलब है अधिक तेजी से उन्नति। एचआर रिकॉर्ड्स बताते हैं कि बीते कुछ ही समय में अकेले अमेरिका में प्रत्येक पांच में से एक कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 3.5% की कमी की है। इसी मंगलवार अमेजन के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जैसी ने कर्मचारियों को दिए नोट में लिखा ह्यवंस इन ए लाइफटाइमह्व एआई का उदय अगले कुछ वर्षों में कुछ नौकरियों की जरूरत खत्म कर देगा। इसी माह प्रोक्टर एंड गेंबल ने कहा, ह्यव्यापक भूमिकाएं व छोटी टीमेंह्व बनाने के लिए वो 7000 नौकरियों या गैर विनिर्माण कार्यबल में 15% की कटौती करेगा।

चूंकि, कामकाजी वर्ग वीकेंड पर वहां से दूर था, इसलिए ये नहीं देख पाया कि उनके ऑफिस में कॉर्नर ऑफिस की लाइटें जली थीं। वहां टॉप लीडर्स मिले और इस पर सहमत हुए कि कम कर्मचारी का मतलब है अधिक तेजी से उन्नति। एचआर रिकॉर्ड्स बताते हैं कि बीते कुछ ही समय में अकेले अमेरिका में प्रत्येक पांच में से एक कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 3.5% की कमी की है। इसी मंगलवार अमेजन के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जैसी ने कर्मचारियों को दिए नोट में लिखा ह्यवंस इन ए लाइफटाइमह्व एआई का उदय अगले कुछ वर्षों...

हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइजेज (एचपीई) की फाइनेंस चीफ मैरी मायर्स ने इस महीने कर्मियों की कटौती पर निवेशकों से चर्चा में कहा, ह्यजो जितना समतल होगा, वो उतना तेज होगाह्व। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले से लेकर अब तक 59 हजार से भी कम कर्मचारियों के साथ ये एचपीई का सबसे छोटा आकार है।

टेक निवेशक और अडोबी के पूर्व एग्जीक्यूटिव जेसन लेमकिन ने हाल ही एक वेंचर केपिटल पॉडकास्ट में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र समेत 500 कर्मचारियों या इससे अधिक की जिन भी कंपनियों से मैंने ऑफ द रिकॉर्ड बात की, उन्होंने कहा कि ह्यमुझे अपनी टीम में 30 से 40% लोगों की जरूरत नहीं हैह्व। हम आसानी से ये महसूस कर सकते हैं कि ब्रिकी और लाभ में बढ़ोतरी के बावजूद कार्यबल में कटौती हो रही है। ये साफ दिखाता है कि कॉरपोरेट जगत कर्मचारियों के मूल्यांकन के तरीके में मौलिक रूप से बदलाव कर रहा है। दूसरी ओर, बारिश आते ही हममें से अधिकतर ने ब्रेक ले लिया, क्योंकि इन दिनों हमारे पास कामकाज ज्यादा था, जिम्मेदारियां ज्यादा थीं और जॉब सिक्योटिरी व भविष्य की संभावनाओं पर डर सता रहा था। नौकरियों में आ रही इस कमी के चलते कर्मचारी तेजी से उस लाभ को खो रहे हैं, जिनका महामारी के दौरान आनंद लिया था, जब नौकरियां पर्याप्त संख्या में थीं और कंपनियां व्हाइट कॉलर प्रतिभाओं के लिए बोली लगा रही थीं।

लेकिन जब एआई का दौर बढ़ रहा है और संस्थापकों व मालिकों की नई मानसिकता सामने आ रही है, जैसा हमने ऊपर पढ़ा, तो हमें हर कंपनी में घटती जा रही मैनपॉवर के बारे में जोर-जोर से बज रही चेतावनी की घंटी को अपने बहरे कानों से सुनना चाहिए। अपनी नौकरी पर तलवार चलने से बचने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। फंडा यह है कि इस बारिश में हर किसी को कंपनी के लीकेज देखने चाहिए, कौशल सुधारना चाहिए ताकि उन लीकेज को भरा जा सके। कंपनी की बिक्री और लाभ बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मत है कि यदि हमारे हाथ में नौकरी रही तो डांस तो अगली बारिश में भी किया जा सकता है।

संत वचन

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। हमने इफिसुस के विश्वासियों को प्रेरित पौलुस का अभिवादन सुना, जिसमें उन्होंने उन सभी को उनके प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह में उद्धार की याद दिलाई, जिसके बारे में वे और अन्य प्रेरित और मिशनरी घोषणा करते रहे थे, और उन्हें याद दिलाया कि प्रभु में उद्धार मसीह के द्वारा और जो कुछ भी उन्होंने अपने शिष्यों और कलीसिया के माध्यम से उन पर प्रकट किया था, उसके द्वारा आया था, न कि अन्य माध्यमों जैसे कि ईश्वर की व्यवस्था और आज्ञाओं के पालन के माध्यम से, जैसा कि यहूदी पृष्ठभूमि से आए कुछ धर्मांतरित लोगों ने, विशेष रूप से फरीसी और व्यवस्था समूह के शिक्षकों ने दावा किया था और वे शेष कलीसिया और ईसाई विश्वासियों पर यहूदी रीति-रिवाजों और तरीकों को लागू करना चाहते थे।

ऐसे ही दाद कैसे दे दें

आज जैसे ही तोताराम आया, हमने कहा- तोताराम, अर्ज किया है । बोला- मुझे नहीं चाहिए तेरी चाय । बस, शांति से दो मिनट बैठ लेने दे । हमने कहा- तू तो ऐसे घबराया हुआ है जैसे तेरे पीछे ईडी वाले पड़े हुए हैं या किसी ने देशद्रोह की एफआईआर दर्ज करवा दी है । बोला- वह भी हो जाएगी । दिल अभी पूरी तरह टूटा नहीं है, दोस्तों की मेहरबानी चाहिए । हमने तोताराम को पानी का गिलास दिया और प्रेम से पीठ पर हाथ रखकर पूछा- हुआ क्या ? साफ-साफ बता । बोला- मोहल्ले के पाँच-सात देशभक्त पीछे पड़ गए थे। कह रहे थे पाकिस्तान पर विजय प्राप्ति और कराची, इस्लामाबाद, लाहौर आदि पर कब्जा कर लिए जाने के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा निकालेंगे । अब ऐसे में जिनको यात्रा का लाभ मिलना होगा मिलेगा लेकिन मेरी तो लू से सद्गति तय है । उनसे पीछा छुड़ाकर यहाँ आया तो तू अपने मन की बात लेकर मेरी छाती पर चढ़ गया ।

हमने कहा- बड़ा आध्यात्मिक शेर है । आत्मा को शांति मिलेगी । बोला- आत्मा की शांति तो बाद की बात है शेह्लर नाम सुनते ही मेरी कुटाई जरूर हो जाएगी । यदि सुनाए बिना नहीं रह सकता तो कोई हिन्दू दोहा, मंत्र, ऋचा, आरती, हनुमान चालीसा या सुंदरकांड भले ही सुना दे लेकिन यह मुसलमान शेह्लर नहीं सुनना । शेह्लर गजल, रुबाई, नज्म सब आतंकवादी होते हैं । इनमें कहीं कुछ अध्यात्म नहीं होता हमने कहा- साहित्य और भाषा क्या कोई हिन्दू मुसलमान होते हैं, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे किसी जाति-धरम के होते हैं ? ये सब बदमाशियाँ हैं, देश को तोड़कर घटिया राजनीति करने वालों का काम है । तू सुन तो सही-

तुम मेरे पास होते हो गोया जब कोई दूसरा नहीं होता अब बता, कैसा लगा ? बोला- हाँ ठीकठाक है लेकिन राय तब दूंगा जब शायर का नाम बताएगा । हमने कहा- यह मोमिन खां मोमिन का है ।

बोला- मेरा अनुमान बिल्कुल ठीक था । इसमें आत्मा -परमात्मा कुछ नहीं है । यह सब कोई षड्यन्त्र है । जब कोई आसपास नहीं होता तब शायर किसी से अकेले में मिलना चाहता । अकेले में या तो कोई बड़ा ठेका हथियाने का चक्कर है या कोई भ्रष्टाचार के बदले चन्दा या इलेक्ट्रॉल बॉण्ड का मामला लगता है । या फिर अकेले में आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने का इरादा है । हमने कहा- तोताराम, ऐसा नहीं सोचते । तुझे पता होना चाहिए कि जब देश स्वतंत्र हुआ तब अंग्रेजों के खुशामदी सभी राजाओं के पास उनके किले, सभी संपत्तियाँ और हीरे-जवाहरात रहे और आज भी वे सरकारों में मंत्री बने बैठे हैं और मौज कर रहे हैं । लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का नेतृत्व करने वाले बहादुर शाह जफर के पास लाल किला नहीं रहा । उसे वतन से दूर मांडले जेल में तिल तिल कर मरना पड़ा था । वे भी अगर अंग्रेजों के खुशामदी होते तो लाल किला उनके किसी वंशज के पास होता । जहाँ कोई होटल होता और शादियों और हल्दी सेरेमनी के इवेंट हुआ करते । और मोदी जी तिरंगा कहीं और फहराते होते ।

बोला- मैं नहीं मानता । क्या मध्यप्रदेश के भाजपा के मंत्री विजय शाह झूठ कहते हैं ?कोई तो कारण होगा कि उन्हें सोफिया में पाकिस्तान की बहिन नजर आई । अगर ऐसा होता तो अब तक उनका तीया-पाँचा कर दिया गया होता लेकिन नहीं । देख लेना कभी न कभी उन्हें इस हिन्दू भक्तिपूर्ण और मुसलमान विरोधी काम के लिए गोली मारो वाले अनुराग ठाकुर की तरह पुरस्कृत भी कर दिया जाएगा । ऐसे ही कर्नाटक में भाजपा के एक एमएलसी रविकुमार ने आई ए एस अधिकारी फौजिया तरन्नुम को पाकिस्तानी कह दिया । इसलिए मैं इस शेह्लर की तारीफ नहीं कर सकता। हमने कहा- क्या बताएं तोताराम, नेताओं की बात छोड़, अगर किसी देश में एक अध्यापक भी अगर इस तरह सोचता है तो भविष्य बहुत अंधकारपूर्ण है ।

बस, देश की बहादुर बेटी,कर्नल सोफिया कुरैशी के दो वाक्य सुन ले । इसके बाद हमें कुछ नहीं कहना । मैं मुसलमान हूँ लेकिन पाकिस्तानी नहीं । मैं मुसलमान हूँ लेकिन आतंकवादी नहीं । और लगे हाथ राहत इन्दौरी- सभी का खून है शामिल यहाँ की मिट्टी में किसी के बाप का हिंदोस्तान थोड़े है ।

एडिट.नोट

डेरेक ओ ब्रायन - लेखक

पूर्वोत्तर के हमारे देशवासियों के साथ भेदभाव कब तक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई, 2025 को कहा था कि ह्यआज गणेश-प्रतिमाएं भी विदेशों से आती हैं। छोटी आंख वाली प्रतिमाएं, जिनकी आंखें ठीक से खुलती भी नहीं। पूर्वोत्तर के निवासी लंबे समय से नस्ली पूर्वग्रह और हिंसा झेल रहे हैं। 2014 में दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक किशोर की हत्या के बाद बेजबरुआ कमिटी बनी थी। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय महानगरों में पूर्वोत्तर के 10 में से 9 लोगों को नस्ली भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्वोत्तर की हर तीन में से दो महिलाएं किसी ना किसी प्रकार के भेदभाव की शिकार होती हैं।

सबसे ताजा उदाहरण मेघालय हनीमून कांड का है, जो सुर्खियों में छाया रहा है। सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत खबरों के जरिए एलीफेंट फॉल्स, डबल-डेकर लिविंग रूट ब्रिज, मावस्माई गुफा जैसे दर्शनीय स्थलों वाले राज्य की छवि धूमिल की गई। न केवल मेघालय, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बदनाम करने का अभियान चलाया गया। वहां के निवासियों के खानपान से लेकर उनकी कद-काठी और भाषा को भी नहीं बख्शा गया। सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा बहुत कम आधिकारिक डेटा है, जो पूर्वोत्तर के निवासियों के योगदान को बताता हो, खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी, विमानन और स्वास्थ्य क्षेत्र में। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। पांच साल बाद यह आंकड़ा और बढ़ा ही होगा। सर्वे में सामने आया कि इनमें से अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में हैं।

मेरा पूर्वोत्तर से पुराना नाता और विशेष लगाव है। 1991 में मैने एडवरटाइजिंग की नौकरी छोड़कर क्विज शो करना शुरू किया। शुरूआती सालों में ये क्विज गुवाहाटी, शिलॉन्ग, कोहिमा, इम्फाल, दीमापुर समेत पूर्वोत्तर के कई शहरों में हुए थे। ये शो एक इंस्टैंट नूडल्स ब्रांड के प्रचार के लिए थे, जिसका उन क्षेत्रों में एक बड़ा बाजार था। हर शो के लिए मुझे 2500 रुपए मिलते थे। लेकिन साथ ही वह पूर्वोत्तर की यात्रा करने और उसे अच्छी तरह से समझने का बेहतरीन अवसर भी था। मैंने वहां के लोगों को हमेशा अपने स्वागत के लिए तत्पर पाया। जब भी कोई उनका गलत चित्रण करता है तो मुझे बेहद तकलीफ होती है। इस लेख को लिखते समय मैंने मणिपुर की 30 वर्षीय महिला तोंशिमला लीसन से बात की। वो एक प्रतिष्ठित एयरलाइन के केबिन क्रू में कार्यरत हैं। उन्होंने मुझे बताया कि एक वर्ष पहले दिल्ली मेट्रो में कुछ युवा उन्हें और मेरी मां को घूरे जा रहे थे। उन्होंने उन्हें देखकर ह्यचाइनीजह्व, ह्यचिंकीह्व जैसी फब्तियां भी कसीं। उनके सहकर्मी भी उनके नामों को लेकर मजाक बनाते हैं। जहां कई यात्री उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ करते हैं, वहीं कई अन्य उन्हें अकसर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में हादसे के शिकार हुए एअर इंडिया विमान के केबिन क्रू की दो सदस्य भी मणिपुर से थीं। एक कुकी और दूसरी मैतेई समुदाय से थी। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुःख की घड़ी में पूरा मणिपुर एकजुट था।

कोरोना के दौरान तो पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मामले कई गुना बढ़ गए थे। दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी की ओर से हुए एक अध्ययन में सामने आया कि भारत के लोग जब चीन के लोगों की कल्पना करते हैं तो उसमें पूर्वोत्तर के लोग बिल्कुल फिट बैठते हैं। इससे उनके खिलाफ घृणा के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों संसद में मणिपुर पर दो बार चर्चा हुई। पहली बार 2023 में, जब विपक्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया और दूसरी बार इस साल अप्रैल में। गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में कहा कि ह्य13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। बीते नवंबर से लेकर अब तक वहां कोई हिंसा नहीं हुई। इसलिए हमें गलत धारणा बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गृह मंत्री के भाषण से कुछ देर पहले ही आपके इस स्तम्भकार ने राज्यसभा में कहा था कि ह्यबीते 22 महीनों में प्रधानमंत्री ने देश-विदेश में 3.80 लाख किलोमीटर की यात्रा की है। यह दूरी पृथ्वी से चंद्रमा के बराबर है। लेकिन प्रधानमंत्री दिल्ली से 2400 किलोमीटर दूर मणिपुर नहीं जा पाए। आज हम रात के तीन बजे संसद में मणिपुर पर चर्चा कर रहे हैं।

बिजनेस

पेट्रोल 120 लीटर तक पहुंच सकता है:वजह- तेल सप्लाई का सबसे बड़ा रास्ता बंद कर सकता है ईरान

नई दिल्ली: ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है।

इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्या है और ये इतना अहम क्यों है? जवाबः स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25% कच्चा तेल और 25% नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40% से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव पहले से चल रहा था, 22 जून को अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- नतांज, फोर्डो और इस्फहान पर हवाई हमले किए। इससे नाराज ईरान की संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया। हालांकि, इस फैसले को लागू करने के लिए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की मंजूरी चाहिए। ईरान का कहना है कि अगर उसे और परेशान किया गया, तो वो इस रास्ते को बंद करके वैश्विक तेल सप्लाई को बाधित कर सकता है।

सवाल 3: क्या भारत में पेट्रोल-डीजल महंगे हो जाएंगे? जवाबः अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 30-50% तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता हैः पेट्रोल-डीजल महंगाः तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है।

महंगाई का बढ़नाः पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा, जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।जवाबः नहीं, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी तेल सप्लाई को काफी हद तक डायवर्सिफाई किया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, भारत में रोजाना 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत है, जिसमें से सिर्फ 1.5-2 मिलियन बैरल ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है। बाकी 4 मिलियन बैरल रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों से आता है। भारत ने जून 2025 में रूस से 2.16 मिलियन बैरल तेल प्रतिदिन आयात किया। ईरान से भारत ने 2019 के बाद तेल आयात लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाए हैं।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिकाः इससे भारतीय किसानों को नुकसान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड (ऋट्ट) फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते ऋट्ट फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी।

ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है। यहां सवाल जवाब में जानें ट्रेड डील नहीं होने पर भारत को क्या नुकसान होगा...

ये ट्रेड डील क्या है और इसका मकसद क्या है? ये भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) कम करके व्यापार बढ़ाना चाहते हैं। भारत चाहता है कि उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और कुछ इंजीनियरिंग सामान पर अमेरिका में जीरो टैक्स लगे, जबकि अमेरिका अपने कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत में बाजार चाहता है।जवाबः डील को 9 जुलाई 2025 तक फाइनल करने की कोशिश है। अगर इस तारीख तक कोई सीमित समझौता नहीं हुआ, तो भारत के सामान पर अमेरिका 26% शुल्क लगा सकता है।

अमेरिका की मांगें क्या हैं? अमेरिका चाहता है कि भारत ऋट्ट फसलों (मक्का, सोयाबीन) और अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करे। साथ ही, वो मेडिकल डि-वाइसेज पर टैरिफ और डेटा लोकलाइजेशन नियमों में ढील चाहता है। अमेरिका अपने डेयरी उत्पादों, गाड़ियों, और व्हिस्की जैसे सामानों के लिए भी कम शुल्क की मांग कर रहा है। भारत ने अमेरिका की मांगों को मानने से इनकार कर दिया, खासकर कृषि और डेयरी बाजार खोलने की मांग को। भारत का कहना है कि इससे लाखों गरीब किसानों को नुकसान होगा। भारतीय उत्पाद, अमेरिकी उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। भारत ने कहा है कि अगर अमेरिका ने स्टील और ऑटोमोबाइल पर शुल्क लगाए, तो हम भी जवाबी शुल्क लगाएंगे।

सोना 657 बढ़कर 99,348 पर पहुंचाःचांदी 1 लाख 7 हजार किलो बिक रही, गोल्ड इस साल 1 लाख 3 हजार तक जा सकता है

नई दिल्लीः सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 जून को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्हखअ) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 657 बढ़कर 99,348 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 98,691 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 288 बढ़कर 1,07,063 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,775 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,450 मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300

कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300 चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,300 भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,740 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,350

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 23,186 रुपए बढ़कर 99,348 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,046 रुपए बढ़कर 1,07,063 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच भी जंग शुरू हो गई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ल्वक्क़ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

चमोली जिले में देर रात से लगातार हो रही बारिश के कारण भनेरपानी (पीपलकोटी) के पास राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण सड़क साफ करने का काम बाधित हो रहा है, जिससे राजमार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में यात्री फंसे हुए हैं।

परिजन खुद स्ट्रेचर पर मरीज को 11 वीं मंजिल तक ले गया, ढलान पर बिगड़ा संतुलन

हमीदिया अस्पताल में बड़ा हादसा टला, व्यवस्था की खामियां उजागर

संवाददाता ● भोपाल

हमीदिया अस्पताल से एक चिंताजनक वीडियो सामने आया है। इसमें एक हृदय रोगी को उसका अकेला परिजन स्ट्रेचर पर धक्का देता हुआ पुरानी कैथलैब से नए भवन की 11वीं मंजिल तक ले जाता दिख रहा है। रास्ते में अमृत फार्मेसी के पास ढलान पर परिजन का संतुलन बिगड़ गया, लेकिन उसने खुद को संभालते हुए मरीज को गिरने से बचा लिया। समय रहते संभल जाने से बड़ा हादसा टल गया। वीडियो से अस्पताल में स्टाफ की कमी और सुरक्षा व्यवस्था की खामियां उजागर हो रही हैं।

हादसा

प्रबंधन के दावों की खुली पोल - यह स्थिति तब है जब अस्पताल प्रबंधन ने पुरानी कैथलैब से वार्ड तक मरीजों को लाने-ले जाने के लिए एम्बुलेंस सुविधा देने का दावा किया था। लेकिन, हकीकत में न तो एम्बुलेंस मिल रही है और न ही मरीजों को ले जाने के लिए कोई सपोर्ट स्टाफ। यह समस्या किसी एक मरीज की नहीं, बल्कि हर महीने कैथलैब में प्रोसीजर के लिए आने वाले 300 से 400 हृदय रोगियों की है। फिलहाल पुरानी कैथलैब ट्रॉमा बिल्डिंग के पीछे चल रही है। इसके सामने का जर्जर भवन तोड़ा जा रहा है। प्रोसीजर के बाद मरीजों को स्ट्रेचर या व्हीलचेयर पर परिजन धक्का देकर पुरानी कैथलैब से पुरानी फार्मेसी तक चढ़ाई पार कराते हैं। इसके बाद अमृत फार्मेसी और फिर नए भवन तक ले जाना होता है। बीच में एक सीधी ढलान भी है, जो बारिश में फिसलन भरी हो जाती है। इससे हादसे का खतरा बना रहता है। करीब आधा किलोमीटर के इस रास्ते में एक ओर निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे भारी वाहन आते-जाते रहते हैं। पूरे रास्ते में धूप और बारिश से बचने का कोई इंतजाम नहीं है, जिससे मरीजों और परिजनों को काफी परेशानी होती है।

7 करोड़ की नई कैथलैब का लंबा इंतजार

हमीदिया अस्पताल में हृदय रोगियों की इन समस्याओं को खत्म करने के लिए 7 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से मॉडर्न नई कैथलैब मशीन लगाने की स्वीकृति दी गई थी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मशीन को जल्द नए भवन की तीसरी मंजिल पर शुरु करने के निर्देश भी दिए थे। लेकिन, करीब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अब तक नई कैथलैब के लिए आवश्यक मशीन और उपकरण नहीं आए हैं, जिससे मरीजों की परेशानी बरकरार है।

क्या है कैथलैब

कैथलैब एक खास लैब होती है, जहां हृदय से जुड़ी जांच और सर्जरी की जाती है। यहां एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर लगाने जैसे काम होते हैं। यह आधुनिक तकनीक से लैस होती है, जिससे शरीर के अंदर साफ दिखाई देता है और संक्रमण का खतरा कम होता है।

जल्द शुरू होगी नई कैथ लैब

मामले में अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन का कहना है कि अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ है। इस मामले की जांच कराई जाएगी। जिसकी भी लापरवाही होगी, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। कई बार परिजन भी जल्दी में स्टाफ के आने का इंतजार किए बगैर चले जाते हैं। वहीं, नई कैथलैब जल्द शुरु होगी। जो कि इस समस्या का स्थायी समाधान होगा। अब किडनी पेशेंट बेफिक्र होकर हार्ट की जांच करा सकेंगे। यह सुविधा उन्हें हमीदिया अस्पताल में जापान से लाए जा रहे प्रदेश के पहले हाईटेक बाइ प्लेन कैथ लैब सिस्टम से मिलेगी।

कैथलैब में डाई का रोल

कैथलैब में होने वाली एंजियोग्राफी एक जांच प्रक्रिया है। जिसमें हार्ट या ब्लड वेसल्स की स्थिति जानने के लिए कॉन्ट्रास्ट डाई का इस्तेमाल किया जाता है। यह डाई नसों के जरिए शरीर में पहुंचाई जाती है। जिसे एक्स-रे, सीटी या एमआरआई जैसी इमेजिंग तकनीकों में ब्लड वेसल्स को स्पष्ट रुप से दिखाती है। कॉन्ट्रास्ट इंड्यूस्ड नेफ्रोपैथी एक स्थिति है, जिसमें डाई किडनी पर असर डालती है। ऐसे में पहले से कमजोर किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

शॉट न्यूज

नाबालिग को प्रेम जाल में फंसाने वाले दो युवक गिरफ्तार

उज्जैन। हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाली एक नाबालिक को अपने प्रेम जाल में फंसाने के लिए एक युवक पिछले काफी समय से उसका पीछा कर रहा था। युवक ने लड़की की सारी जानकारी निकाल राखी थी। एक दिन जब नाबालिक फिल्म देखने थिएटर में पहुंची तो वह भी अपने दोस्त के साथ फिल्म देखने पहुंच गया। वहां उसने नाबालिक का हाथ पकड़ लिया। धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाई और अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। घटना की जानकारी हिंदूवादी संगठनों तक पहुंची तो कार्रवाई हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर प्रकरण दर्ज किया है। दोनों युवकों का जुलूस भी निकाला है। साथ ही कोर्ट ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भी भेज दिया है। यहां रहने वाले युवक रेहान और शाहिद मेवाती ने हायर सेकेंडरी स्कूल की एक नाबालिग छात्रा को प्रेमजाल में फंसाने की कोशिश की थी।

दतिया के छात्र की रूस में मौत, MBBS की कर रहा था पढ़ाई

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया जिले के एक 31 साल के युवक की रूस में मौत हो गई. मृतक युवक का नाम भरत बघेल बताया जा रहा है. भरत बघेल दतिया जिले के इंदरगढ़ कस्बे का रहने वाला था. 31 वर्षीय भरत रूस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का शिकार हो गया. भरत रूस के अर्खंगेल्सक शहर स्थित नॉर्दर्न स्टेट मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था. मृतक भरत साल 2019 में रूस गया था. इतना ही नहीं भरत इसी साल 2 जुलाई को भारत लौटने वाला था. नवंबर में उसकी शादी तय थी. उसकी सगाई भी हो चुकी थी, लेकिन उससे पहले ही उसे लेकर यह दुखद समाचार सामने आ गया. जानकारी के अनुसार, घटना 20 जून की बताई जा रही है. भरत के दोस्त यश ने परिजनों को 21 जून की शाम फोन कर मौत की जानकारी दी।

एमबीबीएस डॉक्टर को झांसे में लेकर की दरिंदगी

आठ माह बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता ● इंदौर

भोपाल के देवास निवासी एक एमबीबीएस युवती के साथ दुष्कर्म के आरोप में भिंड निवासी आरोपी को भोपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने खुद को केंद्रीय मंत्रालय और मेडिकल काउंसिल से जुड़ा अधिकारी बताकर युवती को प्रैक्टिस लाइसेंस दिलाने का झांसा दिया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी का असली नाम मनोज सिंह श्रीवास है, जो भिंड जिले के गोहद तिराहा थाना क्षेत्र के श्रीराम कॉलोनी में रहता है।

मामला

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने चीन से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की थी और भारत में प्रैक्टिस की अनुमति के लिए प्रयासरत थी। इसी दौरान उसकी इंस्टाग्राम पर मोहित सिंह शेखावत नामक व्यक्ति से बातचीत शुरू हुई। आरोपी ने खुद को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया या फिर केंद्रीय गृह मंत्रालय का अधिकारी बताकर युवती को भरोसे में लिया। उसने कहा कि वह दस हजार रुपये में उसका लाइसेंस बनवा देगा।

आरोपी ने 17 सितंबर 2024 को पीड़िता को भोपाल के मेघदूत होटल में बुलाया, जहां उसे लंच कराने के बाद नशे की हालत में दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता को होश में रहते हुए भी विरोध करने की स्थिति नहीं रही। घटना के बाद पीड़िता ने देवास जिले में थाने जाकर जीरो पर मामला दर्ज कराया, जिसे बाद में मंगलवारा थाना भोपाल में स्थानांतरित किया गया।

जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल से आरोपी की पहचान और लोकेशन का पता चला। गहराई से तफ्तीश करने पर यह साफ हुआ कि आरोपी का असली नाम मनोज सिंह श्रीवास है, जिसने झूठी पहचान और फर्जी सरकारी पद का सहारा लेकर अपराध को अंजाम दिया। पुलिस ने अब आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कहीं उसने इस तरह की धोखाधड़ी और अपराध अन्य मामलों में तो नहीं किए।

डिवाइडर से टकराकर लोडिंग ऑटो से भिड़ी कार

भोपाल के एयरपोर्ट रोड पर दो की मौत; गाड़ी को काटकर निकाला शव

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पहले तो डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गई। इस दौरान कार एक लोडिंग ऑटो से भी टकरा गई। हादसा दोपहर करीब एक बजे एयरपोर्ट रोड पर हुआ। इसमें कार चला रहे 17 साल के लड़के दानिश खान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ऑटो चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। इनमें से एक हनी अली ने इलाज के दौरान शाम को दम तोड़ दिया। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। इसकी रात तक पहचान नहीं हुई है। वहीं ऑटो चालक मामूली रूप से घायल है। कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि दानिश पिता जहीर खान (17) करोद स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता था। वह अपने दोस्तों के साथ परवलिया रोड पर एक ढाबे पर गया था। लौटते वक्त उसकी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर पर लगे सीमेंट के गमलों से टकराकर कार पलट गई और सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। इसी दौरान वह सामने से आ रहे लोडिंग ऑटो से भी टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार चला रहे दानिश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस-एम्बुलेंस को सूचना दी। कार में दो लोग फंसे हुए थे, जिन्हें निकालने में करीब एक घंटा लग गया। एक युवक कार की अगली सीट और डेशबोर्ड के बीच फंसा था। गेट तोड़कर उसे बाहर निकाला गया। टीआई के मुताबिक पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि नाबालिग को गाड़ी किसने दी और गाड़ी किसके नाम पर है।

ग्वालियर, भोपाल और सहित 53 जिलों में बरसेगा पानी

म. प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

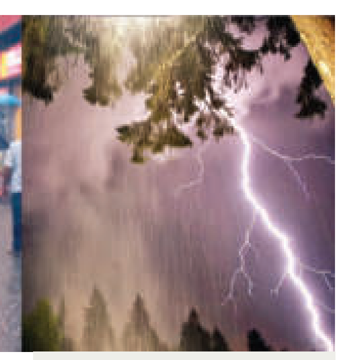

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश का सिलसिला तेज हो गया है। उत्तरी मध्य प्रदेश में कई क्षेत्रों में भारी बारिश भी हो रही है। इसी क्रम में टीकमगढ़ में पिछले शनिवार सुबह आठ बजे से रविवार शाम पांच बजे तक 262 मिलीमीटर यानी 10.30 इंच बरसात हो चुकी थी।

अलर्ट

भारी बरसात की वजह से कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है। वहीं छोटी बरसाती नदियों में बाढ़ आ गई है। इसके अलावा सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक मंडला में 35, नर्मदापुरम में 33, ग्वालियर में 25, भोपाल में 21, रायसेन में 20, मलाजखंड में 17, पचमढ़ी में 13, गुना एवं शिवपुरी में सात, दमोह में छह, छिंदवाड़ा एवं सिवनी में पांच, बैतूल, इंदौर एवं खजुराहो में चार, उमरिया एवं सागर में दो, धार एवं उज्जैन में एक मिलीमीटर बारिश हुई।

इन संभागों में होगी तेज बारिश

मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि सोमवार-मंगलवार को ग्वालियर, चंबल, सागर, भोपाल एवं उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं अतिवृष्टि हो सकती है। शेष जिलों में छिटपुट बारिश होने की संभावना है। जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना है उनमें उज्जैन, शाजापुर, नीमच, मंदसौर, देवास, टीकमगढ़, निवाड़ी, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, मुरैना, श्योपुरकलां शामिल हैं. अभी दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात भी संबद्ध है। जो दक्षिण की और झुका हुआ है। इस मौसम प्रणाली के उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। दक्षिणी पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक पूर्वी-पश्चिमी द्रोणिका बनी हुई है, जो उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश से होकर जा रही है। बांग्लादेश और उससे लगे पश्चिम बंगाल पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। पंजाब से लेकर बिहार तक एक द्रोणिका लाइन बनी हुई है। 25 जून को बंगाल की खाड़ी में हवा के ऊपरी भाग में नया चक्रवात बनने की संभावना है।

90 डिग्री मोड़ वाले पुल की जांच रिपोर्ट तैयार

क्या रेलवे से लेना होगा जमीन

संवाददाता ● भोपाल

देश भर में मजाक बने 90 डिग्री मोड़ वाले पुल की जांच रिपोर्ट तैयार हो गई है। रविवार सुबह लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के मुख्य अभियंता केपीएस राणा सहित अभियंताओं के एक दल ने तीसरी बार पुल का निरीक्षण किया।

जांच

उसके बाद अंतिम रिपोर्ट बनाकर सोमवार को विभागीय मंत्री राकेश सिंह को दे दी जाएगी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस रिपोर्ट में पुल के एक-एक हिस्से की माप है। अभी तक की जांच में आया है कि विवादित अंधा मोड़ 119 डिग्री का है। इसी की वजह से पुल पर भारी वाहनों का संचालन मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि इस मोड़ पर मुड़ना कठिन हो सकता है। वहीं मोड़ दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। अभियंताओं ने इस मोड़ को ठीक करने की संभावनाओं पर भी विचार किया है। इसमें रेलवे से थोड़ी जमीन लेकर मोड़ को गोलाई देने के प्रस्ताव की पूरी डिजाइन है।

बताया जा रहा है कि लोनिवि इसी रिपोर्ट के आधार पर रेलवे के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजेगा। अगर रेलवे बोर्ड से इसकी मंजूरी मिलती है तो पुल के मोड़ को ठीक करने की कोशिश की जाएगी। अगर ऐसा नहीं हो पाता तो पुल को सुरक्षा मानकों के मुताबिक ढालकर हल्के वाहनों के लिए शुरू किया जाएगा। बता दें कि पांच इंजीनियरों की जांच समिति का गठन लोनिवि मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर किया गया था।

वाणिज्यिक कर विभाग, नए तबादले किए, पुराने अफसर हटाए नहीं

नतीजा: एक ही जगह पर हो गए दो-दो डिप्टी कमिश्नर

संवाददाता ● भोपाल

मप्र में तबादलों का मौसम चल रहा है। सभी विभागों में धड़ाधड़ तबादले हो रहे हैं। तबादलों की लिस्ट को लेकर बीजेपी के विधायक और संगठन के लोग कई जिलों में नाराज नजर आ रहे हैं। वहीं, तबादलों में भी कई गड़बड़ियां देखने को मिल रहीं हैं। वाणिज्यिक कर विभाग में हुए तबादलों के बाद एक ही जगह पर दो-दो अफसर पहुंच गए हैं। करीब दर्जन भर ऐसे तबादला आदेश जारी हो चुके हैं। इनमें नए अफसर की पोस्टिंग हो गई लेकिन, पहले से पदस्थ अफसर को दूसरी जगह नहीं भेजा गया है। ग्वालियर संभाग 1 के डिप्टी कमिश्नर परमानंद सौंधिया को ग्वालियर वृत्त 3 में भेजा गया है। ग्वालियर वृत्त 3 के डिप्टी कमिश्नर हरिदास भालेकर को सागर वृत्त कार्यालय भेजा गया है। वहीं, सागर वृत्त के डिप्टी कमिश्नर निर्मल परिहार को भोपाल वृत्त 5 भेजा गया है। लेकिन, चौंकाने वाली बात ये है कि भोपाल वृत्त 5 में पहले से पदस्थ डिप्टी कमिश्नर मिथलेश वामनकर को कहीं नहीं भेजा गया है। ऐसे में परमानंद सौंधिया, हरिदास भालेकर और निर्मल परिहार की रिलीविंग में दिक्कत आ रही है। भोपाल ऑडिट विंग में पदस्थ डिप्टी कमिश्नर नरेन्द्र सिंह चौहान को मंडीदीप वृत्त भेजा गया। लेकिन, मंडीदीप वृत्त में पहले से पदस्थ प्रीति प्रभुलता पन्ना यथावत हैं। ऐसे में मंडीदीप में दो-दो डिप्टी कमिश्नर हो गए हैं।

आरोपी ने मारने का दिखाया डर...तीन गिरफ्तार, दो फरार

तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर महिला से 40 लाख की ठगी

संवाददाता ● भोपाल

तंत्र-मंत्र से बीमार महिला को स्वस्थ करने का झांसा देकर और फिर काले जादू से पिता और भाई की मार डालने का डर दिखाकर एक जालसाज ने अशोकागार्डन में एक परिवार से 40 लाख रुपये हड़प लिए। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। इनमें से मुख्य आरोपित समेत तीन गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि दो आरोपित फरार हैं। आरोपियों का यह गिरोह के सदस्य यूपी के बलिया जिले के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच एसआइ साबिर खान ने बताया कि 25 वर्षीय दिव्या विश्वकर्मा अशोकागार्डन क्षेत्र में रहकर कॉलेज में पढ़ाई करती है। उसके पिता और भाई सिविल ठेकेदार हैं। दिव्या ने मां का स्वास्थ्य खराब होने की बात अपनी सहेली पूजा को बताई तो उसने कहा कि मेरी बुआ का बेटा अंकित सिंह तंत्र-मंत्र के जरिए स्वस्थ कर सकता है। 25 वर्षीय अंकित मूलतः उत्तरप्रदेश के ग्राम रेवती बलिया जिले का रहने वाला है और कुछ दिन पहले ही भाई के साथ काम की तलाश में भोपाल आया था।

जालसाज

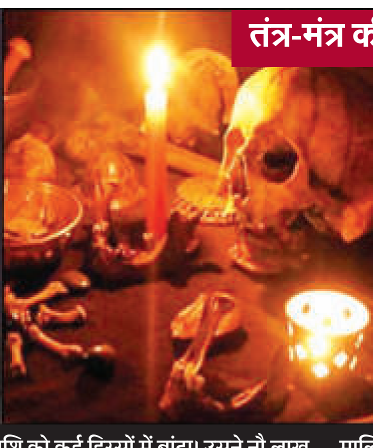

तंत्र-मंत्र की पूजा करने के नाम ठगे 40 लाख

वह ऐशबाग स्थित सनी अवस्थी के मकान में किराए पर रहता था। अंकित दिव्या की मां को स्वस्थ करने के लिए फोन पर किसी अन्य तांत्रिक से बात करवाता था और नुस्खे बताता था। करीब दो महीने में उसने दिव्या से तंत्र-मंत्र की पूजा करने के नाम पर 20 लाख रुपये नकद ऐंठ लिए। वहीं जब दिव्या ने स्वास्थ्य लाभ न मिलने पर रुपये देने से इनकार किया तो उसने कहा कि काला जादू करवाकर तुम्हारे पिता और भाई को मरवा देंगे। जिसके बाद डरकर दिव्या ने उसे 20 लाख रुपये कीमत के जेवरात भी सौंप दिए।

तीन गिरफ्तार, दो फरार

आरोपित ने इस राशि को कई हिस्सों में बांटा। उसने नौ लाख रुपये कुडई कच्छ, गुजरात में रहने वाले मामा मोहित को नया व्यापार शुरु करने के लिए दिए थे। इसके अलावा अपने भाई आशू सिंह और रुम पार्टनर लक्की पांडे को भी कुछ रुपये व जेवरात दिए थे। साथ ही अन्य जेवरात उसने मकान मालिक सनी अवस्थी के जरिए गोल्ड बैंक में रखवा दिए थे। इसको लेकर उसने सनी को 10 प्रतिशत कमीशन भी दिया था। पुलिस ने अंकित, उसके मामा मोहित और सनी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं आशू और लक्की जेवरात व नकदी लेकर फरार हैं। दोनों की तलाश जारी है।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 24 जून, 2025
www.adityabharat.com

मिडिल क्लास फैमिली इसलिए नहीं जा रही थिएटर

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा -'आम परिवारों के लिए आज...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी इन दिनों अपकमिंग हॉरर, सस्पेंस फिल्म 'निकिता रॉय' को लेकर चर्चा में बनी हैं। इस फिल्म के रिलीज को लेकर न सिर्फ सोनाक्षी, बल्कि फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं। सोनाक्षी की ये फिल्म इसी महीने 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसी बीच अब सोनाक्षी ने सिनेमाघरों में मिडिल क्लास लोगों की कमी को लेकर बात की। यही नहीं एक्ट्रेस ने मिडिल क्लास परिवार का सिनेमाघरों में कम पहुंचने के पीछे की दो वजहें बताई हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में बताया कि इस दौरान एक्ट्रेस ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। साथ ही टिकटों की बढ़ती कीमत पर भी रिएक्ट किया है। सोनाक्षी ने इस बात पर जोर दिया कि फिल्मों की कमी नहीं है- थिएटर के अनुभव की पहुंच में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि फिल्मों की कहानियों में कोई कमी नहीं है, लेकिन कुल मिलाकर परिवार सिनेमाघर जा नहीं रहे। फिल्में और पारिवारिक कहानियां बन रही हैं, लेकिन कंटेंट के कई ऑप्शन ओटीटी के तौर पर अवेलेबल हैं। वहीं, थिएटर का अनुभव मिडिल क्लास परिवार के लिए बहुत महंगा हो गया है। एक सामान्य परिवार के लिए थिएटर में फिल्में देखना आज बहुत महंगा हो गया है। इसलिए, मुझे लगता है कि यही वजह है कि लोग कम जा रहे हैं. लेकिन कहानियां और फिल्में मौजूद हैं। 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी सिन्हा के साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म को सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा ने डायरेक्ट किया है। बतौर डायरेक्टर ये शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे कुश की पहली फिल्म है। इस फिल्म की कहानी देखने के लिए दर्शक काफी बेताब हैं।

जंगल में चल रही थी गाने की शूटिंग, जोंकों से भरा पैर

स्कर्ट में ही दौड़ लगाकर भागी एक्ट्रेस

कोई भी फिल्म दो, ढाई या तीन घंटे में खत्म हो जाती है, लेकिन इन्हें बनाने में मेकर्स से लेकर इससे जुड़े कलाकारों को महीनों तो कई बार साल या उससे ज्यादा का भी समय लग जाता है। फिल्मों में कई ऐसी लोकेशन नजर आती हैं, जो दर्शकों को रोमांच से भर देती हैं और वह भी इन लोकेशन की एक झलक पाने को बेताब हो जाते हैं। लेकिन, फिल्मों और गानों में नजर आने वाली इन खूबसूरत लोकेशन्स पर शूटिंग में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, ये बात सिर्फ वही कलाकार बता सकते हैं, जिन्होंने शूटिंग की हो या फिर इससे जुड़े हों। ऐसे ही एक बार मनीषा कोइराला ने अपने एक हिट गाने की शूटिंग के पीछे का किस्सा साझा किया था और बताया था कि कैसे इस गाने की शूटिंग के दौरान कठिनाइयों से होकर गुजरना पड़ा। मनीषा कोइराला ने अपने एक इंटरव्यू में 'बॉम्बे' फिल्म के सॉन्ग 'तू ही रे' की शूटिंग से जुड़ा किस्सा शेयर किया और मुश्किलों से भरा अपना एक्सपीरियंस भी साझा किया। उन्होंने बताया कि तू ही रे सॉन्ग की शूटिंग जिस जगह पर हुई थी, वहां एक तरफ चट्टानें और एक तरफ समुद्र था, जिससे उनके चेहरे पर बार-बार पानी के छींटे पड़ रहे थे। वहीं उन्होंने एक और किस्सा शेयर करते हुए बताया कि कैसे एक सीन के दौरान उनका पूरा पैर जोकों से भर गया, जो बेहद दर्दनाक था और वह चीखते हुए स्कर्ट में ही भागने लगीं। मनीषा कोइराला ने इस किस्से को शेयर करते हुए कहा, 'तू ही रे की शूटिंग बहुत मुश्किल थी। ये बहुत मुश्किल गाना था। इसमें एक हिस्सा था, जहां दो जगहों पर शूटिंग हुई और यहां शूट करना बहुत मुश्किल था। एक तरफ चट्टानें ही चट्टानें और दूसरी तरफ समुद्र जो चट्टानों से टकरा रहा था। शूटिंग के दौरान बड़े-बड़े छींटे आते थे, जो और भी खतरनाक था। हम किसी तरह उस जगह पर शूटिंग करने में सफल रहे। हमने अच्छे से इस जगह पर शूटिंग कम्प्लीट की, सब ठीक रहा।' मनीषा ने आगे एक अन्य गाने की शूटिंग से जुड़ा किस्सा शेयर किया और कहा, 'जो दूसरी लोकेशन थी... मुझे नहीं पता कि वो कौन सी जगह थी, हम घने जंगलों में थे और हम जिस जगह पर थे वो जोकों से भरा हुआ था। वहां अगर आप एक भी कदम चलते हैं तो थोड़ी दूर पहुंचने पर आपके पैर जोकों से भर जाते हैं। पूरे पैर में जोंक चिपक जाती हैं। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मुझे गाने के लिए स्कर्ट पहननी थी और वो पहनकर मुझे जंगल में भागना था। वो पूरी जगह जोकों से भरी थी और मेरे पैर पर भी जोंक चिपक गईं, ऐसे में शूटिंग करने में बहुत कठिनाई हुई। हालांकि, हमने पता लगा लिया कि कठिन परिस्थिति में कैसे आगे बढ़ना है।'

दिलजीत दोसांझ की 'सरदार जी 3' में पाक एक्ट्रेस हानिया आमिर

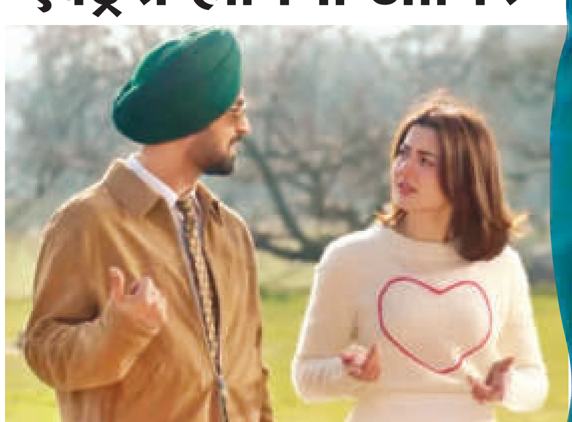

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 काफी समय से बज में बनी हुई है। कुछ समय पहले जब अभिनेता ने फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की थीं, तब एक तस्वीर में लोगों ने आभास किया था कि कि फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी हैं। अब आखिरकार दिलजीत दोसांझ ने सरदार जी 3 का ट्रेलर जारी कर दिया है जिसमें हानिया आमिर की एंट्री कन्फर्म हो गई है। फिल्म में हानिया के अलावा पंजाब की दिग्गज अदाकारा नीरू बाजवा भी लीड रोल में हैं। 22 जून की रात को दिलजीत दोसांझ ने अपनी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म सरदार जी 3 का पंजाबी भाषा में ट्रेलर जारी किया है। फिल्म में दिखाया गया है कि पंजाब के मशहूर घोस्ट हंटर जग्गी अपनी घोस्ट बडी पिंकी (नीरू बाजवा) के साथ ब्रिटेन एक डरावने हॉन्टेड महल से भूत को भगाने आता है, लेकिन उसका ये काम एक काला रहस्य मुश्किल बना देता है। 2 मिनट 45 मिनट के ट्रेलर में हानिया और दिलजीत का रोमांस भी देखने को मिला। ऐसा कहा जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हानिया आमिर को सरदार जी 3 से रिप्लेस कर दिया गया है, लेकिन अब ट्रेलर से साफ हो गया है कि अभिनेत्री को रिप्लेस नहीं किया गया है। फिल्म को भारत में रिलीज नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ विदेशी सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। यह ओवरसीज में 27 जून को रिलीज हो रही है। यही नहीं, आप भारत में यूट्यूब पर ट्रेलर भी नहीं देख सकते हैं क्योंकि यह भारतीय ऑडियंस के लिए उपलब्ध नहीं है।

दीपिका कुछ नया नहीं मांग रही हैं 8 घंटे शिफ्ट की मांग पर बोले डायरेक्टर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों 8 घंटे की शिफ्ट की मांग के चलते खबरों में बनी हुई हैं। हाल में बताया गया था कि एक्ट्रेस ने फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा से अपनी कई अन्य मांगों के साथ 8 घंटे काम करने की बात कही थी। हालांकि, फिल्ममेकर, एक्ट्रेस की इन मांगों से खुश नहीं थे तो उन्होंने दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को कास्ट कर लिया। लेकिन क्या आप जानते हैं रानी मुखर्जी और काजोल सालों से 8 घंटे की ही शिफ्ट करती आ रही हैं। इस बारे में फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने बताया। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने आईएएनएस को बताया कि उन्होंने रानी मुखर्जी की फिल्म हिचकी डायरेक्ट की थी। उन्होंने वो फिल्म 8 घंटे की शिफ्ट के साथ खत्म की थी। 8 घंटे की शिफ्ट सेट पर मौजूद सभी लोगों के लिए थी फिर चाहे लीड एक्टर्स हो, बच्चे हो या क्रू मेंबर। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने बताया कि हर प्रोजेक्ट की अपनी अपेक्षाएं और समय-सीमाएं होती हैं, लेकिन आठ घंटे काम करने की बात नई नहीं है। वो कहते हैं, 'यह सालों से होता आ रहा है। जब मैंने 2010 में काजोल के साथ शूटिंग की थी, तो वह आठ घंटे की शिफ्ट में काम करती थीं। उन्होंने यह साफ कर दिया था कि वह या तो सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आएंगी या सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक या रात में आठ घंटे की शिफ्ट में काम करेंगी। रानी ने भी यही किया। दीपिका कुछ नया नहीं मांग रही हैं।' बता दें, हाल में काजल ने भी बताया था कि उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कभी 18 से 20 घंटे काम नहीं किया। उन्हें उनके फिल्म प्रोड्यूसर्स से मदद मिलती थी। वहीं बॉलीवुड के कई कलाकरों ने दीपिका की 8 घंटे शिफ्ट की मांग का समर्थन किया था।

क्यों आमिर खान से फिल्म नहीं मांगते हैं 'तारे जमीन पर' के 'ईशान'

बोले- वह मेरे भाई नहीं हैं...

दर्शील सफारी 2007 में रिलीज हुई फिल्म तारे जमीन पर में डिस्लेक्सिया से पीड़ित 8 साल के बच्चे ईशान की भूमिका निभाकर मशहूर हुए थे। आमिर खान स्टारर मूवी के बाद उन्होंने बम बम भोले, जोकोमन, मिडनाइट्स चिल्ड्रन, कच एक्सप्रेस और फुले जैसी फिल्में कीं। दर्शील सफारी का के बाद आमिर खान के साथ बॉन्ड भी काफी अच्छा हो गया। यहां तक कि सितारे जमीन पर की स्क्रीनिंग में दर्शील भी आए थे और उन्होंने आमिर की फिल्म को काफी सराहा था। मगर इतने साल के बॉन्ड के बावजूद आखिर दर्शील ने उनसे कोई फिल्म क्यों नहीं मांगी, इस बारे में अभिनेता ने खुलासा किया है। दर्शील सफारी ने मिड-डे के साथ बातचीत में बताया कि वह शर्म के कारण कभी भी आमिर से काम नहीं मांगते हैं। अभिनेता ने कहा, 'महामारी के बाद मैंने जो भी काम किया है, वह बिना किसी कॉन्टैक्ट के किया है। ऑडिशन और स्क्रीन टेस्ट से मुझे यह समझने में मदद मिलती है कि मैं कोई भी रोल करने में सक्षम हूं या नहीं और इससे निर्माता-निर्देशकों को यह समझने में भी मदद मिलती है कि मैं उसमें फिट हूं या नहीं।' दर्शील सफारी ने आगे कहा, 'लोग इस बात से नाराज हो जाते हैं कि मैं आमिर खान से काम नहीं मांगता लेकिन मुझे ऐसा करने में बहुत शर्म आती है। वह मेरे भाई नहीं है कि मैं उन्हें फोन करके कहूं, 'प्लीज मुझे कोई स्क्रिप्ट दिलवा दो।' मैंने सिर्फ उन्हें शुभकामनाएं भेजना चुना है, जैसे उनके जन्मदिन पर एक टेक्स्ट मैसेज। यह मेरी पसंद है।' मालूम हो कि तारे जमीन पर 2007 की हिट फिल्मों में शुमार है। यह फिल्म आमिर खान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है। वह आर्ट टीचर की भूमिका में नजर आए थे। 18 साल बाद इसका सीक्वल सितारे जमीन पर रिलीज हुआ है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब तक हाफ सेंचुरी मार चुकी है। फिल्म की कहानी स्पेशली एबेल्ड बच्चों पर आधारित है।

पिता ने फिल्मों में लाने से किया इनकार, तो घर छोड़ चले गए थे विजय

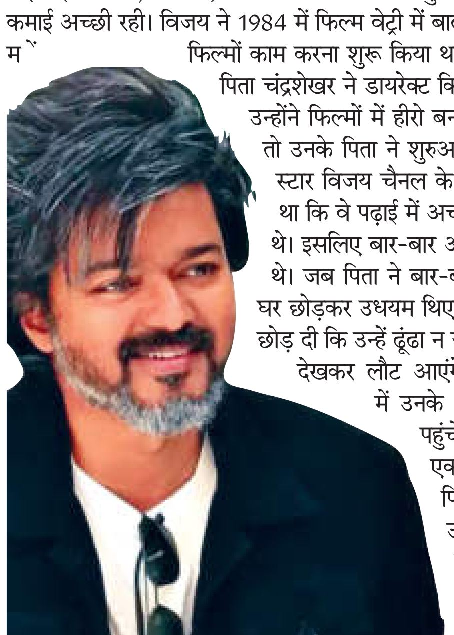

जना नायकन' तमिल स्टार थलापति विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। विजय 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के संस्थापक अध्यक्ष हैं। अगर उनकी पार्टी को अगले साले वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में जीत मिलती है, तो वह राजनीति में पूरी तरह से एक्टिव हो सकते हैं। बता दें कि विजय ने 1992 में अपने पिता एस. ए. चंद्रशेखर की फिल्म नालैया थीरपू से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने कुछ फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर भी काम किया था। 2015 की फिल्म पुली के बाद से उनकी कोई भी फिल्म फ्लॉप नहीं हुई। बीस्ट (2022), वारिसु (2023) और द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (GOAT, 2024) जैसी फिल्मों को मिले-जुले रिव्यूज मिले, लेकिन कमाई अच्छी रही। विजय ने 1984 में फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के रूप मे फिल्मों काम करना शुरू किया था। फिल्म को उनके पिता चंद्रशेखर ने डायरेक्ट किया था। बाद में जब उन्होंने फिल्मों में हीरो बनने की इच्छा जताई, तो उनके पिता ने शुरुआत में मना कर दिया। स्टार विजय चैनल के शो 'कॉफी विद अनु' में विजय ने बताया था कि वे पढ़ाई में अच्छे नहीं थे और जीवन में कुछ करना चाहते थे। इसलिए बार-बार अपने पिता से फिल्मों में लाने की बात करते थे। जब पिता ने बार-बार इनकार किया, तो विजय नाराज होकर घर छोड़कर उधयम थिएटर चले गए। जाते वक्त उन्होंने एक चिट्ठी छोड़ दी कि उन्हें ढूंढा न जाए। उनका प्लान था कि दो घंटे में फिल्म देखकर लौट आएंगे, लेकिन तभी उनके पिता को थिएटर में उनके होने की जानकारी मिल गई। वे थिएटर पहुंचे और विजय को घर ले आए। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, विजय के पिता ने भी यह किस्सा शेयर किया था। उनके अनुसार, विजय सुबह 10 बजे घर से निकले और शाम तक नहीं लौटे। बाद में उधयम थिएटर में उन्हें खोजा गया, जहां एक वॉचमैन ने बताया कि विजय फिल्म देख रहे हैं।

पहलवान बनने की चाहत, फिर भी दीं बैक-टू-बैक 10 हिट, 8 ने 100 करोड़ क्लब में मारी एंट्री

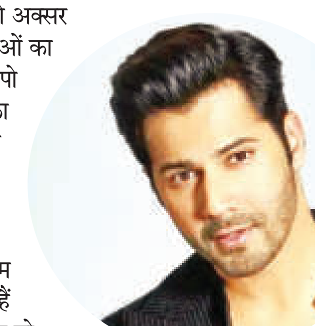

बॉलीवुड में स्टार किड्स को अक्सर नेपोटिज्म और आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है, कभी इन्हें नेपो किड कहा जाता है, कभी निर्देशकों का लाडला। आलिया भट्ट से लेकर सुहाना खान तक इन आलोचनाओं का सामना कर चुकी हैं। ऐसे में कई सितारे सफल हो पाता हैं और अपने केलिबर साबित करते हैं तो कई गायब हो जाते हैं। आज हम एक ऐसे स्टार किड की बात करने जा रहे हैं जिसने पहली ही फिल्म से साबित किया कि वो बॉक्स ऑफिस का सफल हीरो है। यो कोई और नहीं बल्कि बल्कि आलिया भट्ट के को-स्टार और निर्देशन डेविड धवन के बेटे वरुण धवन हैं। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले वरुण अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार 10 हिट फिल्में दे चुके हैं। अब आखिर कैसे ये भी आपको बताते हैं। वरुण धवन ने अपने करियर की शुरुआत से ही एक अलग राह चुनी। साल 2012 में करण जौहर के बैनर तले लॉन्च हुए वरुण ने शुरुआती छह सालों में ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो बहुत कम नए सितारे बना पाते हैं, लगातार दस हिट फिल्में, बिना किसी फ्लॉप के।

केएल राहुल की क्लासिक सेंचुरी, बेहतरीन बल्लेबाजी से अंग्रेजों की छाती पर किया तांडव

एजेंसी ● लीड्स

हेडिंग्ले टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल ने शतक लगाकर कमाल कर दिया। राहुल का टेस्ट क्रिकेट में यह 9वां शतक है। राहुल ने अपना यह 9वां शतक 202 गेंद में पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी में उन्होंने 13 चौके लगाए। केएल राहुल की इस शतकीय पारी के बदौलत टीम इंडिया की लीड 200 रन के पार पहुंची। केएल राहुल ने भारत के लिए पहली पारी में भी टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई थी। हालांकि, पहली पारी में वह 42 रन ही बना पाए थे, लेकिन दूसरी पारी में वह नहीं चूके और सैकड़ा जड़ दिया।

पहली पारी में केएल राहुल की दमदार बल्लेबाजी से ही भारतीय टीम 471 रन बनाने में सफल रही थी। राहुल ने पहले विकेट के लिए यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर 91 रनों की पार्टनरशिप की थी। इस ठोस शुरूआत के बाद यशस्वी ने इसका फायदा उठाया और इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले टेस्ट में ही शतक ठोक कर इतिहास रच दिया।पहली पारी में सिर्फ यशस्वी ही नहीं, बल्कि ऋषभ पंत ने भी शतक लगाया था। शुभमन गिल पहली पारी में 147 रन बनाकर बना आउट हुए थे, जबकि ऋषभ पंत ने 134 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, दूसरी पारी में शुभमन गिल का बल्ला नहीं चला और वह 8 रन ही बना पाए, लेकिन पंत ने टीम इंडिया के लिए एक बार फिर से मोर्चा संभालते हुए तेज तर्रार अर्धशतकीय पारी खेली।शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने कमाल का खेल दिखाया। बुमराह टीम इंडिया के लिए पारी में 5 विकेट हासिल किए। विदेशी धरती पर बुमराह ने 12वीं बार टेस्ट में 5 विकेट लेकर पूर्व दिग्गज कपिल देव की बराबरी की थी। बुमराह के अलावा टीम इंडिया के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 और मोहम्मद सिराज के खाते में 2 विकेट आया।

लीड्स टेस्ट- भारत की बढ़त 320 रन , राहुल का शतक

पंत ने दूसरी पारी में भी सेंचुरी बनाई, ऐसा करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर

एजेंसी ● लीड्स

भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 320 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हेडिंग्ले स्टेडियम में मैच का चौथा दिन है और आखिरी सेशन का खेल जारी है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 314 रन बना लिए हैं। केएल राहुल और करुण नायर नाबाद हैं। राहुल शतक बनाकर खेल रहे हैं। ऋषभ पंत 118 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शोएब बशीर ने जैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। उन्होंने 195 रन की पार्टनरशिप ब्रेक की। कप्तान शुभमन गिल (8 रन) को ब्रायडन कार्स ने बोल्ड कर दिया। तीसरे दिन साई सुदर्शन 30 और यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट हुए थे।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने 90/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी। भारतीय टीम ने लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 300 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। 77वें ओवर में केएल राहुल ने बेन स्टोक्स की दूसरी बॉल पर दो रन लेकर टीम स्कोर 300 पहुंचा दिया।

चौथे दिन का दूसरा सेशन भारतीय बैटर्स के नाम रहा। 27 ओवर के इस सेशन में भारत ने एक विकेट खोकर 145 रन बनाए। केएल राहुल और करुण नायर की जोड़ी नाबाद है। ऋषभ पंत 118 रन बनाकर आउट हुए।72वें ओवर में भारत ने दूसरी पारी का चौथा विकेट गंवाया। यहां ऋषभ पंत 118 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शोएब बसीर ने जैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। शोएब ने 195 रनों की पार्टनरशिप को ब्रेक किया।ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शतक जमा दिया है। वे एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने गए हैं।

दुनिया में उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर ने किया है। फ्लावर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2001 में हरारे टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाया था।भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 250 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। केएल राहुल 65वें ओवर डाल रहे ब्रायडन कार्स की पहली बॉल पर चौका लगाकर टीम स्कोर 250 पार पहुंचाया।भारतीय टीम ने लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 250 रन की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरी पारी में भारतीय टीम का स्कोर 249 रन हो गया है। टीम को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी।केएल राहुल ने अपने करियर का 9वां शतक लगाया। उन्होंने शोएब बशीर के ओवर की आखिरी बॉल पर 2 रन लेकर अपनी सेंचुरी पूरी की।जोश टंग के ओवर में 2 चौके लगाकर ऋषभ पंत ने अपने टेस्ट करियर की 16वीं फिफ्टी पूरी की। इसके अगले ओवर में उन्होंने शोएब बशीर को लॉन्ग ऑन के ऊपर से 2 सिक्स भी लगाए।

54वें ओवर की पहली बॉल पर केएल राहुल ने शोएब बशीर की बॉल पर स्वीप शॉट खेलकर चौका लगाया। बशीर ने सामने की तरफ ओवरपिच बॉल फेंकी थी।लंच के बाद बॉलिंग करने आए जोश टंग ने पहला ओवर मेडेन फेंका। इस ओवर की सभी 6 बॉल उन्होंने ऑफ स्टंप की तरफ फेंकी। ऋषभ पंत ओवर में कोई रन नहीं बना सके।चौथे दिन के पहले सेशन में भारत ने 24.1 ओवर की बल्लेबाजी की। केएल राहुल ने अर्धशतक लगाया। उनके साथ 31 रन बनाकर ऋषभ पंत क्रीज पर हैं। भारत ने इस सेशन में 63 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 8 रन बनाकर आउट हुए।भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 150 रन का स्कोर बना लिया है। 48वां ओवर डाल रहे शोएब बशीर की तीसरी बॉल पर पंत ने दो रन लेकर स्कोर 150 पहुंचाया।

बॉलर को सॉरी बोला, खुद से नाराज हुए... फिर ऋषभ पंत ने क्रिस वोक्स को यूं सिखाया सबक

एजेंसी ● लीड्स

लीड्सः क्रिकेट में जब तेज गेंदबाज बॉल डालने वाला हो और उसी समय बल्लेबाज गेंद खेलने से मना कर दे तो बॉलर्स का गुस्सा जायज है। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेले जा रहे एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन कुछ ऐसा ही हुआ। भारतीय टीम के विकेटकीपर और उपकप्तान ऋषभ पंत स्ट्राइक पर थे। 32वें ओवर में क्रिस वोक्स जब गेंद डालने वाले थे, तभी पंत ने खेलने से मना कर दिया और पीछे हट गए।तेज गेंदबा दूर से भागकर आता है। फिर अगर ऐसे बल्लेबाज क्रीज छोड़ दे तो नाराजगी लाजमी है। क्रिस वोक्स ने पंत से हटने से खुश नहीं दिखे। इसके बाद ऋषभ पंत ने सफाई देते हुए कहा- मैं तैयार नहीं था। पंत को भी अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने तुरंत ही क्रिस वोक्स से माफी भी मांग ली। पंत ने कहा- सॉरी वोक्सी। इसके बाद क्रिस वोक्स गेंद डालने के लिए वापस लौट गए।

ऋषभ पंत वैसे तो काफी ताबड़तोड़ खेलते हैं। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ जब वह दूसरी पारी में उतरे तो काफी संभलकर बैटिंग कर रहे थे। इसी ओवर में क्रिस वोक्स की एक गेंद उनके पैर पर लगी। इसके बाद पंत खुद से गुस्सा हो गए। उन्होंने खुद से बात की और यह स्टंप माइक की वजह से सभी को सुनाई दे गया। पंत ने कहा- पकी हुई वाली बॉल। इतना तमीज से खेलने के चक्कर में छूट रही है।इसके बाद ऋषभ पंत से नहीं रहा गया। उन्होंने फैसला किया कि अब क्रिस वोक्स पर अटैक करेंगे। उसी ओवर की 5वीं गेंद पर वह क्रीज से बाहर कूदे और मिड ऑफ की बगल से गेंद को चौके के लिए भेज दिया। गेंद पंत के बल्ले से ठीक से नहीं आई। इसके बाद भी वोक्स गेंद रोकने के बजाय खुद को बचाने की कोशिश में झुक गए।

पहली पारी में शतक लगाने वाले शुभमन गिल ने अपने पैर पर मार ली कुल्हाड़ी, यूं गिफ्ट कर दिया विकेट

एजेंसी ● लीड्स

इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम इंडिया की शुरूआत बहुत ही खराब रही। चौथे दिन के पहले ही ओवर में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने अपना विकेट गंवा दिया। पहली पारी में टीम इंडिया के लिए बेहतरीन शतक लगाने वाले शुभमन गिल दूसरी पारी में अपनी चमक नहीं छोड़ पाए। दिन के शुरूआत में ही वह ब्रायडन कार्स की गेंद को कट मारने के प्रयास में प्लेट डाउन हो गए। इस तरह भारतीय टीम ने 92 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट गंवाया।

इंग्लैंड के लिए 25वां ओवर करने आए ब्रायडन कार्स ने आखिरी गेंद ऑफ स्टंप्स के बाहर गुड लेंथ गेंद डाली थी। गेंद पिच पर गिरी और अंदर की तरफ आई। इस गेंद पर शुभमन क्रीज पर ही खड़े होकर कट करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन वह रूम नहीं बना पाए। ऐसे में गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप्स से जा टकराई। इस दौरान गिल के पैरों का मूवमेंट अच्छा नहीं था। यही कारण है कि जिस से आउट हुए उससे वह काफी निराश दिखे। क्योंकि शुभमन को भी इस बात का अहसास था कि उन्होंने शॉट खेलने में लापरवाही की थी।

90 रन से शुरू हुई थी भारत की पारी

पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय टीम ने 90 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया था। खेल के तीसरे दिन भारत ने दो विकेट गंवाए थे। तीसरे दिन टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन आउट हुए थे, लेकिन केएल राहुल ने टीम के लिए अपना मोर्चा संभाले रखा था। इससे पहले तीसरे दिन के खेल में इंग्लैंड की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 465 रन बनाए थे।इंग्लैंड की तरफ से पहली पारी में ओली पोप और हैरी ब्रूक ने कमाल का खेल दिखाया। पोप ने टीम के लिए शतक लगाया था, जबकि ब्रूक 99 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मैच में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 471 रन का स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मेजबान इंग्लैंड ने इसके जवाब में जबरदस्त खेल दिखाया। यही कारण है कि टीम इंडिया को पहली पारी में सिर्फ 6 रन की बढ़त मिल पाई।

दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट ने किया संन्यास का ऐलान, भारतीय फैंस को लगा बड़ा झटका

नई दिल्लीः दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने ओलंपिक दिवस के मौके पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा की है। हालांकि, वह घरेलू टीम और यूपी पुलिस के लिए खेलना जारी रखेंगे। 31 वर्षीय ललित, जो काशी के भगतपुर गांव के रहने वाले हैं, उत्तर प्रदेश के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने तीन हॉकी विश्व कप में भाग लिया। उनसे पहले, केवल अशोक ध्यानचंद ने चार विश्व कप में खेला था। उन्होंने वाराणसी के यूपी कॉलेज में कोच परमानंद मिश्रा के मार्गदर्शन में हॉकी खेलना शुरू किया।

एक उतार-चढ़ाव भरे करियर के बाद, वह भारतीय राष्ट्रीय टीम के सेंटर-फॉरवर्ड बने और 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस में ऊढ (उप पुलिस अधीक्षक) के पद पर कार्यरत ललित का हॉकी करियर शानदार रहा है। उन्होंने दो ओलंपिक- टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और दोनों में कांस्य पदक जीते। उन्होंने दो राष्ट्रमंडल खेलों में भी भाग लिया, 2018 गोल्ड कोस्ट संस्करण (जहां भारत चौथे स्थान पर रहा) और 2022 बर्मिंघम संस्करण, जहां उन्होंने रजत पदक जीता। इसके अलावा, उन्होंने तीन विश्व कप और दो एशियाई खेलों में भाग लिया, जिसमें उन्होंने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।ललित उपाध्याय ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से संन्यास की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'मैं कुछ समय से इस बारे में सोच रहा था; बहुत कुछ हुआ है, और मैंने अपने आप से किए गए सभी वादे पूरे किए हैं। यह एक लंबा और शानदार करियर रहा है - एक महत्वपूर्ण यात्रा - और मैं बहुत खुश हूं। ओलंपिक दिवस पर संन्यास लेना मेरे लिए खास है क्योंकि मैंने इसी सपने के साथ हॉकी खेलना शुरू किया था और इसी दिन अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा समाप्त कर रहा हूं।' ललित उपाध्याय ने बताया कि उन्होंने ये फैसला काफी सोच समझ कर लिया है। उन्होंने अपने करियर में बहुत कुछ हासिल किया है और वो इससे खुश हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक दिवस के दिन संन्यास लेना उनके लिए बहुत खास है। क्योंकि उन्होंने इसी सपने के साथ हॉकी खेलना शुरू किया था।

कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक ने जर्मनी के हाले टेनिस टूनार्मेंट के पुरुष एकल फाइनल में रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराने के बाद ट्रॉफी पकड़ी।

1077534787 रुपये... एनबीए के नए चैंपियन पर पैसों की बरसात

एजेंसी ● ओक्लाहोमा

दुनिया की सबसे बड़ी बास्केटबॉल चैंपियनशिप नेशनल बॉस्केटबॉल लीग यानी एनबीए को 2025 का चैंपियन मिल गया है। ओक्लाहोमा सिटी थंडर ने ठइअ खिताब जीता है। उन्होंने गेम 7 में इंडियाना पेसर्स को 103-91 से हराया। 2008 में सिएटल से आने के बाद यह टीम की पहली चैंपियनशिप है। सिएटल में सुपरसोनिक्स के तौर पर उन्होंने 1979 में एक खिताब जीता था। पेसर्स के सुपरस्टार टायरेसे हैलिबर्टन पहले क्वार्टर में चोट लगने के बाद गेम से बाहर हो गए थे, जिसका टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।

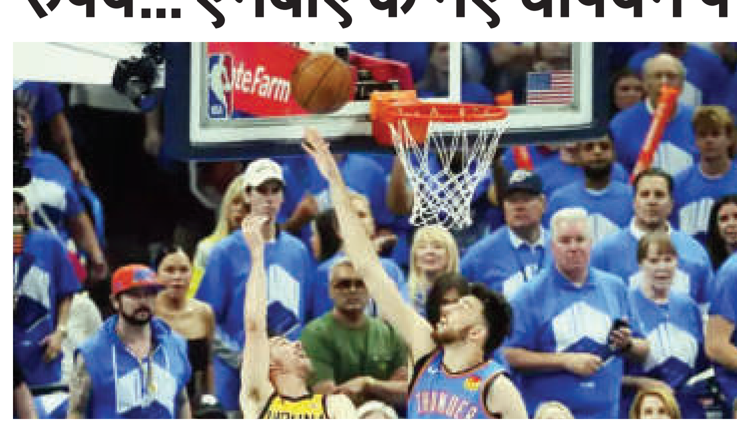

एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें अकिलीज में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और वह काफी भावुक थे। इंडियाना, जिसने कभी ठइअ चैंपियनशिप नहीं जीती है, हाफटाइम में एक पॉइंट से आगे थी लेकिन दूसरे हाफ में थंडर ने 56-43 से बेहतर प्रदर्शन किया।शाय गिलगेस-एलेक्जेंडर ने 29 पॉइंट और 12 असिस्ट के साथ सभी खिलाड़ियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।फाइनल में पहुंचने और ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में आगे बढ़ने के लिए पेसर्स को पहले ही 1.99 मिलियन डॉलर यानी 17,25,35,388 रुपये मिले। गेम 7 जीतने पर उन्हें अतिरिक्त 8.805 मिलियन मिलते। यानी उन्हें कुल 10.80 मिलियन डॉलर मिल सकते थे। हालांकि, फाइनल हारने के बावजूद उन्हें 5.79 मिलियन डॉलर (50,19,47,974.06 रुपये) मिले।दूसरी ओर, थंडर, जिन्होंने ठइअ में सबसे अच्छे रिकॉर्ड के साथ सीजन खत्म किया, उनको और भी ज्यादा फायदा होगा। चैंपियनशिप जीतने पर उन्हें अब 12.42 मिलियन डॉलर (1077534787 रुपये) मिलेंगे, जो प्रति खिलाड़ी लगभग 828,000 डॉलर है। अगर वे हार भी जाते, तो भी उन्हें अपनी पिछली प्लेऑफ कमाई के साथ 3.803 मिलियन डॉलर मिलते। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराया था। इसी के साथ आरसीबी ने पहला आईपीएल खिताब भी 18 साल में जीता। बता दें कि आईपीएल जीतने के बाद बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपये मिले थे। हालांकि, यह पैसे एनबीए फाइनल्स जीतने वाली टीम ओक्लाहोमा सिटी थंडर से काफी कम है।

अपने मौखिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा की मांग कर रहे शिक्षकों के प्रदर्शनकारियों को रविवार को पुलिस ने पानी की बौछारों का इस्तेमाल करके तितर-बितर कर दिया।

अमेरिका के रक्षामंत्री हेगसेथ की खुली चेतावनी

ईरान ने हमला किया तो मिलेगा करारा जवाब

परमाणु ठिकाने धवस्त करने के बाद धमकी

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ईरान हमला करता है तो उसे इसका करारा जवाब दिया जाएगा। इससे पहले ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन किया था। यह बात बेंजामिन नेतन्याहू ने कही है। उन्होंने कहाकि दोनों के बीच बातचीत बेहद आत्मीय और भावुक रही। उधर ईरान ने इजरायल के ऊपर हमला बोल दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोल दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इस बारे में जानकारी दी।

जवाब

इसके बाद ट्रंप ने बयान जारी कर कहाकि अगर ईरान ने पलटवार के बारे में सोचा भी तो उसे अंजाम भुगतना पड़ेगा। वहीं, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया है।

ईरान-इज़रायल तनाव पर ओआईसी का बड़ा फैसला

इस्लामिक सहयोग संगठन ने रविवार को ऐलान किया कि वह एक मंत्री स्तरीय संपर्क समूह का गठन करेगा, जो ईरान पर अमेरिका और इज़रायल के हमलों के बाद पैदा हुए तनाव को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय पक्षों से नियमित बातचीत करेगा। इस्तांबुल में 57 सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणा में ओआईसी ने ईरान पर इज़राइली हमलों की निंदा की और इस खतरनाक स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए हमलों को तुरंत रोकने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

ईरान पर अमेरिकी हमले को लेकर आज UN में आपातकालीन बैठक

ईरान के तीन ठिकानों पर अमेरिका द्वारा किए गए हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक होगी। इस बैठक के लिए ईरान ने अनुरोध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें पाकिस्तान, रुस और चीन ईरान के पक्ष में खड़े दिखाई देंगे।

हमलों में 7 ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स और 2 सैनिकों की मौत

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, रविवार को यज़्द शहर में स्थित दो सैन्य ठिकानों पर इज़राइल द्वारा किए गए हमलों में 7 ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और 2 सैनिकों की मौत हो गई। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और इज़राइल के बीच तनाव चरम पर है, और दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं।

ईरान का परमाणु प्रोग्राम वर्षों पीछे हुआ: जेडी वैंस

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी बेंस ने दावा किया है कि अमेरिकी हमले की वजह से ईरान का परमाणु प्रोग्राम काफी पीछे हो गया है। उन्होंने कहा कि हम इसे लंबा नहीं खींचना चाहते.. अमेरिका की हमेशा से ही नीति रही है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए और हम इस पर ही अमल करना चाहते हैं। ईरान और इजरायल के युद्ध के बीच अमेरिका की एंट्री ने क्षेत्रीय संकट को बढ़ा दिया है। ईरान की मीडिया के मुताबिक तेहरान ने दुनिया में कच्चे तेल के सबसे बड़े चोक प्वाइंट होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का फैसला लिया है। ईरान के इस फैसले के बाद भारत समेत तमाम देशों में तेल की कीमतों में उछाल आने की आशंका है।

18 घंटों की उड़ान, हवा में ही भरा गया तेल

कैसे ईरान पर हमला कर लौट गए 7 अमेरिकी विमान

न्यूयॉर्क\तेहरान ● एजेंसी

अमेरिका के पेंटागन ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों को लेकर कई हैरान करने वाली बातें साझा की हैं। पेंटागन ने कहा कि मात्र 25 मिनट के अंदर अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन का नाम 'मिडनाइट हैमर' दिया गया था। पेंटागन ने बताया कि अमेरिका के B-2 बॉम्बर विमान 18 घंटे तक आसमान में उड़ते रहे। अमेरिका के मिसौरी से ईरान तक के सफर के दौरान भी विमानों की जानकारी लीक नहीं हुई। कोई भी देश इन्हें डिटेक्ट नहीं कर पाया। अमेरिका ने बताया कि यह ऑपरेशन शनिवार को ही एक डाइवर्जन के साथ शुरू हो गया था। बी-2 विमानों का एक ग्रुप गुआम की तरफ उड़ान भर रहा था।

हालांकि वास्तविक मिशन कुछ और था। इस मिशन में सात बी-2 विमान शामिल थे। वे शांति से ईरान की ओर उड़ान भर रहे थे। इन विमानों की रिफ्यूलिंग भी हवा में ही की गई। अमेरिका ने ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन में एक क्रूज मिसाइल भी दागी गई थी। मिसाइल को एक सबमरीन से दागा गया। नतांज और इस्फहान पर हमले के लिए अमेरिका ने 30 टॉमहॉक मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। बता दें कि अमेरिका का बी-2 स्टील्थ बॉम्बर वायुसेना का बेहद खास हथियार है। यह विमान दुनियाभर में सबसे ज्यादा समय तक उड़ान भरने वाले विमानों में है। इसे नॉर्थरोप ग्रूमन कंपनी ने बनाया है। इस विमान को आसानी से ट्रैक नहीं किया जा सकता है।

देशभर के टूर ऑपरेटर्स होंगे शामिल

चंडीगढ़ को टूरिस्ट हब बनाने की तैयारी, 4 को होगा आयोजन

चंडीगढ़ ● एजेंसी

चंडीगढ़ प्रशासन ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत देश के टॉप 50 टूर ऑपरेटर 4 जुलाई को चंडीगढ़ आएंगे। प्रशासन चाहता है कि ये ऑपरेटर चंडीगढ़ को हिल स्टेशन जाने वाले पर्यटकों के लिए एक स्टे प्वाइंट यानी ठहरने की जगह के रूप में प्रमोट करें। इस दौरान इन ऑपरेटरों को शहर की सुंदरता, टूरिस्ट प्लेसेस और अच्छी कनेक्टिविटी दिखाई जाएगी, ताकि वे अपने टूर पैकेज में चंडीगढ़ को भी एक-दो दिन के ठहराव के रूप में शामिल करें। यह दौरा पहले मई में होना था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हालात और युद्ध जैसे माहौल के कारण इसे टालना पड़ा था। अब यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को आयोजित होगा। पर्यटन विभाग के डायरेक्टर प्रद्युमन सिंह ने बताया कि चंडीगढ़ को केवल एक ट्रांजिट प्वाइंट (यानि रास्ते में रुकने की जगह) समझे जाने की जो धारणा है, उसे बदला जा रहा है। कोशिश है कि लोग चंडीगढ़ को भी एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में देखें और यहां कुछ दिन ठहरें।

आयोजन

शहर में है घूमने की कई जगहें, कनेक्टिविटी भी बेहतर

विभाग का मानना है कि टूर ऑपरेटर्स खुद जब शहर की खूबसूरती, गार्डन, पार्क, लेक और संग्रहालय जैसी जगहों को देखेंगे, तो वे अपने ग्राहकों को चंडीगढ़ में ठहरने की सलाह देंगे। इससे सिटी ब्यूटीफुल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय कारोबारियों को भी फायदा होगा।

सिर्फ 5 कलाकारों ने ही किया आवेदन

शहर के कलाकारों को मंच देने के लिए शुरु की गई परफॉर्मेंस योजना को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। चंडीगढ़ पर्यटन विभाग द्वारा शुरु की गई इस योजना में अब तक केवल 5 कलाकारों ने ही आवेदन किया है। योजना के तहत कलाकारों को रोज गार्डन, शांतिकुंज और अन्य प्रमुख स्थलों पर शाम के समय परफॉर्म करने का मौका मिलना था। कलाकार सोलो गिटारिस्ट, सिंगर या अन्य परफॉर्मिंग आर्टिस्ट हो सकते हैं, बशर्ते उनके पास अपना म्यूजिक सेटअप हो। इसके लिए विभाग ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) जारी किया था। शुरुआत में यह योजना नगर निगम के साथ मिलकर चलाने की थी, लेकिन निगम की कमजोर वित्तीय स्थिति को देखते हुए विभाग ने इसे अकेले ही लागू करने का फैसला लिया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)